RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 38 डिग्री
न्युनतम तापमान 27 डिग्री

एनसीआर
अधिकतम तापमान 37 डिग्री
न्युनतम तापमान 26 डिग्री

सोमवार 12 मई 2025
सुर्योदय प्रातः 05:33 बजे
सूर्यास्त सांय 19:04 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज • करंट व्यूज

पृष्ठ 4 झूठ फैलाकर उन्माद को हवा देता 'गोदी मीडिया'

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्षः 16 | अंक : 206 | गाजियाबाद, सोमवार 12 मई 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

ऑपरेशन सिंदूर के लक्ष्य हासिल, सहमति तोड़ने पर

पाक सेना को दंड देने का रोड़ मैप, प्लान तैयारः सेना

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारतीय सशस्त्र सेनाओं ने कहा है कि ऑपरेशन सिन्दूर के लक्ष्य हासिल कर लिये हैं और पाकिश्तान को कड़ी चेतावनी दी है कि यदि उसकी ओर से आज रात भी सैन्य कार्रवाई रोकने के लिए बनी सहमति का उल्लंघन किया जाता है तो उसे इसका बेहद गंभीर परिणाम भुगतना पड़ेगा।

सेना के सैन्य संचालन महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, वायु सेना के संचालन महानिदेशक एयर मार्शल ए के भारती और नौसेना के संचालन महानिदेशक वाइस एडमिरील ए के प्रमोद ने रविवार देर शाम ऑपरेशन सिंदूर पर एक विशेष ब्रीफिंग में साफ शब्दों में कहा है कि यदि पाकिश्तान की ओर से इस तरह की कार्रवाई होती है तो उनके पास पाकिश्तान को सबक सिखाने का रोड़ मैप और प्लान हैं और हम उस पर अमल के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

उन्होंने कहा कि सेना प्रमुख ने सेना को आदेश दिया है कि यदि पाकिश्तान की ओर से सहमति का आज भी उल्लंघन किया जाता है तो उसे जोरदार तरीके से दंडित किया जाना चाहिए।

सेनाओं की ओर से साफ तौर पर कहा गया, " हमारी लड़ाई न तो पाकिश्तान के

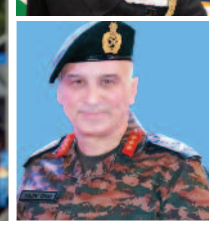

खिलाफ है , न ही पाकिश्तान के लोगों से है , हमारी लड़ाई सिर्फ आतंवादियों और उनके आकाओं से है। "

सेनाओं की ओर से आज पहली बार यह जानकारी दी गयी कि ऑपरेशन सिंदूर में 100 से भी अधिक आतंकवादी मारे गये। उन्होंने कहा कि पाकिश्तान की जवाबी कार्रवाई के बाद हुए संघर्ष में पाकिश्तानी सेना के 35 से 40 सैनिक ढेर किये गये हैं और यह संख्या ज्यादा भी हो सकती है लेकिन इसका अभी आकलन किया जा रहा है।

सेना ने कहा कि पाकिश्तान की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई के बाद भारतीय सेनाओं की कार्रवाई के दौरान पांच भारतीय सैनिक मारे गये हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि भारत ने पाकिश्तान के कई विमान गिराये हैं लेकिन उन्होंने इसकी संख्या नहीं बतायी। एक अन्य सवाल पर उन्होंने कहा कि भारत के सभी पायटल सुरक्षित हैं।

उन्होंने कहा कि भारतीय सेनाएं अभी भी सचेत मुद्रा में है और उसे हर दुस्साहस का मुंहतोड़ जवाब दिया जायेगा।

एक सवाल के जवाब में सेनाओं ने कहा कि सीमा पार करीब 21 आतंकवादी ठिकाने हैं और जरूरत पड़ने पर इनके खिलाफ कार्रवाई की जायेगी।

श्रीलंका में बस के चट्टान से गिर जाने से 20 से ज्यादा लोगों की मौत

✷ वेबवार्ता. कोलंबो ✷। श्रीलंका के मध्य प्रांत के कोटमाले में रविवार सुबह एक बस के चट्टान से गिर जाने से 20 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई और कुछ अन्य घायल हो गए। घायल लोगों को अस्पताल में कड़ी चिकित्सा निगरानी में रखा गया है। पुलिस ने बताया कि श्रीलंका परिवहन बोर्ड ने दुर्घटना की जांच के लिए एक टीम घटनास्थल पर भेजी है। पुलिस ने कहा कि वे दुर्घटना की भी जांच कर रहे हैं। गौरतलब है कि श्रीलंका में सड़क दुर्घटनाएं अक्सर होती रहती हैं। इस साल दो अप्रैल तक 565 घातक सड़क दुर्घटनाओं में कुल 592 लोग मारे गए हैं।

'नेशनल टेक्नोलॉजी डे' पर पीएम मोदी ने कहा, 'यह पोखरण परीक्षण को याद करने का दिन'

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'नेशनल टेक्नोलॉजी डे' (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस) के अवसर पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने देश के वैज्ञानिकों के प्रति गर्व और आभार व्यक्त किया। इसके साथ ही 1998 के पोखरण परीक्षणों को याद किया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "नेशनल टेक्नोलॉजी डे पर शुभकामनाएं। यह हमारे वैज्ञानिकों के प्रति गर्व और आभार व्यक्त करने तथा 1998 के पोखरण परीक्षणों को याद करने का दिन है। सभी हमारे राष्ट्र के विकास पथ में विशेष रूप से आत्मनिर्भरता की दिशा में हमारी खोज में एक ऐतिहासिक घटना थे।"

जनगणना में जातिगत गणना के लिए पुराने कानून में बदलाव की जरूरत नहीं: अधिकारी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। जनगणना करने वालों को जनता से जाति का विवरण मांगने की अनुमति देने के लिए सत्तर साल से अधिक पुराने जनगणना अधिनियम में बदलाव की आवश्यकता नहीं होगी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 1948 के इस कानून में अंतिम बार 1994 में संशोधन किया गया था। उन्होंने कहा कि यह कानून केंद्र सरकार को जनता से विवरण मांगने का अधिकार देता है, जैसा कि फॉर्म में उल्लेख किया जा सकता है। वर्ष 1881 से 1931 के बीच देश में ब्रिटिश शासन के दौरान की गई जनगणना के दौरान सभी जातियों की गणना की गई थी। लेकिन 1951 में स्वतंत्र भारत की पहली जनगणना के समय तत्कालीन सरकार ने अनुसूचित जातियों और जनजातियों को छोड़कर अन्य जातियों की गणना न करने का निर्णय लिया।

ऑपरेशन सिंदूर भारत की राजनीतिक, सामाजिक व सामरिक इच्छाशक्ति का प्रतीक: राजनाथ

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि यह भारत की राजनीतिक, सामाजिक और सामरिक इच्छाशक्ति का प्रतीक है। श्री सिंह ने रविवार को यहां ब्रह्मोस एकीकरण और परीक्षण सुविधा केंद्र के उद्घाटन के अवसर पर अपने वर्चुअल संबोधन में इस ऑपरेशन को भारत की दृढ़ इच्छाशक्ति और सशस्त्र बलों की क्षमता तथा दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन बताया। उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन ने भारत की धरती पर भारत विरोधी और आतंकवादी संगठनों के हाथों अपने प्रियजनों को खोने वाले निर्दोष परिवारों के लिए न्याय सुनिश्चित किया। रक्षा मंत्री ने कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं थी, बल्कि यह भारत की राजनीतिक, सामाजिक और सामरिक इच्छाशक्ति का प्रतीक है।" उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को इस बात का प्रमाण बताया कि जब भी भारत आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करता है, तो सीमा पार की जमीन भी आतंकवादियों और उनके आकाओं के लिए सुरक्षित नहीं होती है।

खरगे-राहुल ने मोदी को पत्र लिखकर की संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस अध्यक्ष तथा राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री को ऑपरेशन सिंदूर से पहले एवं उसके बाद की स्थिति पर विचार के लिए संसद का विशेष सत्र तुरंत बुलाने की मांग की है।

श्री खरगे ने पीएम को रविवार को लिखे पत्र में कहा है कि वह पहलगाम आतंकी हमले, ऑपरेशन सिंदूर और युद्ध विराम की घोषणाओं पर चर्चा के लिए संसद का तत्काल विशेष सत्र बुलाने के विपक्ष के सर्वसम्मत अनुरोध को दोहरा रहे हैं। उनका कहना था कि संसद ने इस बात पर भी चर्चा होगी कि पहले वाशिंगटन डीसी और बाद में भारत और पाकिस्तान की सरकारें संघर्ष विराम की घोषणाएं करती हैं। उन्होंने पत्र में यह भी कहा कि इससे पहले 28 अप्रैल को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी पहलगाम हमले को लेकर संसद विशेष सत्र बुलाने की मांग की थी। श्री गांधी ने अपने पत्र में प्रधानमंत्री से पहलगाम हमला, ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत और पाकिस्तान की घोषणा से पहले संघर्ष विराम के मुद्दे पर ट्वीट करने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाया जाना चाहिए।

उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री इस आग्रह पर विचार करेंगे। गौरतलब है कि श्री गांधी ने पिछले दिनों सर्वदलीय बैठक में भी संसद का विशेष सत्र बुलाने की बात कही थी।

नेपाल से भारत आने की फिराक में 5 बांग्लादेशी, बिहार के जरिए शुरू करना चाहते हैं दूसरा खेल

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारत-पाकिश्तान तनाव और ऑपरेशन सिंदूर के बीच बिहार के अररिया जिले में नेपाल से सटी सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त कर दिया गया है। खुफिया एजेंसियों की पांच बांग्लादेशी नागरिकों पर कड़ी नजर है।

ये सभी तब्लीगी जमात से जुड़े बताए जाते हैं। तीन महीने से पांचों ढाका से काठमांडू के राश्ते नेपाल पहुंचे और सुनसरी व सप्तरी जिले की मस्जिदों में रहकर धार्मिक प्रचार कर रहे हैं। खुफिया सूत्रों को आशंका है कि ये बांग्लादेशी बिहार में प्रवेश कर सकते हैं, जिसके चलते अररिया और अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों में चौकसी बढ़ा दी गई है। खुफिया विभाग के अनुसार, ये पांच बांग्लादेशी नागरिक तीन महीने पहले ढाका से नेपाल के राजविराज पहुंचे थे। वहां से वे सुनसरी जिले गए और मस्जिदों में ठहरकर धार्मिक गतिविधियों में शामिल रहे।

हाल ही में उनकी गतिविधियां सप्तरी जिले में देखी गईं। इनके वीजा की अवधि, जो 21 मई तक थी, बढ़ाकर 30 मई 2025 तक कर दी गई है। भारत-पाक तनाव के बीच खुफिया एजेंसियां किसी भी संदिग्ध गतिविधि को नजरअंदाज नहीं कर रही हैं। अररिया के जोगबनी को छोड़कर, नेपाल सीमा पर शाम 6 बजे के बाद आवाजाही पर रोक लगा दी गई है।

भारत-नेपाल की 1,751 किमी लंबी खुली सीमा बिहार के सात जिलों सुपौल, अररिया, किशनगंज, मधुबनी, सीतामढ़ी, पश्चिम चंपारण, और पूर्वी चंपारण से गुजरती है। इसे बेहद संवेदनशील माना जाता है।

ऐसे में अब सशस्त्र सीमा बल और बिहार पुलिस ने चेकपोस्ट्स पर जांच तेज कर दी है। वाल्मिकीनगर और जोगबनी जैसे प्रमुख सीमा बिंदुओं पर यात्रियों और सामानों की विशेष मशीनों से जांच हो रही है। ड्रोन, घुड़सवार दश्ते, और नावों से निगरानी की जा रही है। अररिया में सुरक्षा एजेंसियों, SSB, और पुलिस की नियमित बैठकें हो रही हैं, जिसमें सीमा सुरक्षा के नियमों की समीक्षा की जा रही है।

सीजफायर के उल्लंघन के बाद सेना प्रमुख ने की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

पाकिश्तान की ओर से सीजफायर के कुछ ही घंटों बाद इसका उल्लंघन किया गया। इसे लेकर भारतीय सेना ने स्थिति की समीक्षा की।

भारतीय सेना ने बताया कि शनिवार की रात को संघर्ष विराम और वायु क्षेत्र उल्लंघन की घटनाओं के बाद भारतीय थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पश्चिमी सीमाओं पर तैनात सेना कमांडरों के साथ सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की।

थलसेना प्रमुख ने 10 मई को हुई डीजीएमओ वार्ता के तहत बनी सहमति के उल्लंघन होने की स्थिति में 'काइनेटिक डोमेन' यानी जवाबी कार्रवाई के लिए सेना के कमांडरों को पूरी छूट दे दी है। सेना की ओर से जारी बयान के अनुसार, पश्चिमी सीमा पर किसी भी तरह के उल्लंघन पर सेना तुरंत और प्रभावी जवाब देगी।

इससे पहले विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने कहा था कि पाकिश्तान ने सीजफायर का उल्लंघन किया है, जिसका सेना जवाब दे रही है। इसके साथ ही सेना को जवाबी कार्रवाई करने की खुली छूट दे दी गई है। उन्होंने कहा कि पाकिश्तान की ओर से यह कार्रवाई 'अत्यंत निंदनीय है और इसकी पूरी जिम्मेदारी पाकिश्तान पर है।'

उल्लेखनीय है कि तीन दिनों तक चले संघर्ष के बाद भारत-पाकिश्तान के बीच युद्ध विराम हुआ था। भारतीय विदेश मंत्रालय ने बताया था कि शनिवार शाम पांच बजे से सीजफायर लागू हो गया, लेकिन महज चार घंटे के अंदर ही पाकिश्तान ने सीजफायर का उल्लंघन किया और सीमा पार से गोलीबारी शुरू की। साथ ही कई शहरों को ड्रोन के जरिए निशाना बनाया।

इससे पहले भारत सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ जारी लड़ाई को लेकर बड़ा फैसला लिया था। सरकार ने सख्त संदेश देते हुए कहा था कि भविष्य में कोई भी आतंकी घटना भारत के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई मानी जाएगी।

केंद्र सरकार के शीर्ष सूत्रों ने कहा था कि भारत ने निर्णय लिया है कि भविष्य में किसी भी आतंकी कार्रवाई को भारत के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा और उसी के अंदाज में जवाब भी दिया जाएगा।

संघर्ष विराम उल्लंघन के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस ने लोगों से संपर्क किया

✷ वेबवार्ता. जम्मू ✷

नियंत्रण रेखा पर हाल ही में हुए संघर्ष विराम उल्लंघन के मद्देनजर जम्मू कश्मीर पुलिस ने रविवार को सीमावर्ती पुंछ

जिले में आम लोगों से संपर्क किया और उन्हें हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया।

आधिकारिक जानकारी के मुताबिक पुंछ के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोहन शर्मा ने झुल्लास पुलिस चौकी के प्रभारी (आईसी पीपी) के साथ सीमावर्ती गांवों झुल्लास, मंगनार और सलोत्री का व्यापक दौरा किया, ताकि जमीनी श्तर पर स्थिति का आकलन किया जा सके और स्थानीय लोगों को आश्वश्त किया जा सके। अधिकारियों ने स्थानीय निवासियों एवं समुदाय के प्रतिनिधियों से बातचीत की तथा हाल ही में सीमा पार से हुई गोलाबारी के मद्देनजर सुरक्षा, बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान और आवश्यक सेवाओं के बारे में बातचीत की। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्र में रहने वाले नागरिकों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस की प्रतिबद्धता दोहराई।

श्री शर्मा ने कहा, "हमारे सीमावर्ती निवासियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। पुलिस प्रशासन पुंछ के लोगों के साथ खड़ा है, खासकर संघर्ष विराम उल्लंघन से सीधे प्रभावित लोगों के साथ। उनकी शिकायतों का तुरंत समाधान करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।"

राहुल ने पुंछ में शहीद सूबेदार मेजर पवन कुमार की शहादत पर जताया शोक

एनसीआर टुडे. नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ क्षेत्र में नियंत्रण रेखा के पास पाकिश्तान के साथ गोलाबारी में सूबेदार मेजर पवन कुमार के शहीद होने पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए पीड़ित परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।

श्री गांधी ने कहा,"पाकिश्तान के विरुद्ध युद्ध के दौरान 10 मई को जम्मू कश्मीर के पुंछ में सूबेदार मेजर पवन कुमार जी का वीर गति को प्राप्त होना अत्यंत दुखद है।" उन्होंने कहा,"इस मुश्किल समय में शहीद के सभी शोकाकुल परिजनों को अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। पूरे देश को पवन कुमार जी की देशभक्ति और सर्वोच्च बलिदान पर गर्व है।"

सख्त सुरक्षा व्यवस्था के बीच दिल्ली और मुंबई एयरपोर्ट पर परिचालन सामान्य

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डीआईएएल) ने रविवार को कहा कि एयरपोर्ट पर परिचालन सामान्य है, लेकिन हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों के कारण कुछ उड़ानें प्रभावित हैं और सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल के कारण सिक्योरिटी चेक प्रक्रिया में अधिक समय लग सकता है।

साथ ही डीआईएएल ने यात्रियों को सलाह दी कि वे उड़ान के निर्धारित प्रस्थान समय से काफी पहले पहुंच जाएं जिससे सिक्योरिटी चेकप्वाइंट पर संभावित देरी से बचा जा सके। दिल्ली एयरपोर्ट की ओर से यात्रियों से यह भी आग्रह किया गया है कि वे सटीक जानकारी के लिए केवल आधिकारिक स्त्रोतों पर ही भरोसा करें और सोशल मीडिया पर अनवेरिफाइड कंटेंट साझा करने से बचें।

इसके अतिरिक्त बढ़े हुए सुरक्षा उपायों के कारण मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने भी एक एडवाइजरी जारी कर यात्रियों से कहा है कि वे निर्धारित प्रस्थान समय से पहले पहुंचे। साथ ही यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे सरकार द्वारा जारी फोटो पहचान पत्र, पासपोर्ट, वीजा, टिकट/बोर्डिंग पास अपने पास रखें, जिससे आसानी से निरीक्षण किया जा सके। सरकार ने शुक्रवार को जम्मू, श्रीनगर, लेह, जोधपुर, अमृतसर, भुज, जामनगर, चंडीगढ़ और राजकोट समेत देश भर के 24 एयरपोर्ट को बंद रखने की अवधि के 15 मई, सुबह 05:29 बजे तक बढ़ा दिया।

एयरपोर्ट जम्मू और कश्मीर, पंजाब, राजस्थान और गुजरात में पाकिश्तान सीमा के करीब स्थित हैं। एयर इंडिया ने कहा कि जम्मू, श्रीनगर, लेह, जोधपुर, अमृतसर, भुज, जामनगर, चंडीगढ़ और राजकोट से आने-जाने वाली उसकी उड़ानें 15 मई को सुबह 05:29 बजे तक रद्द रहेंगी। हालांकि, यह एक बदलती स्थिति है और हम ग्राहकों से अनुरोध करते हैं कि वह ताजा अपडेट के लिए हमारे आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल देखें।

सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए लेकिन PM के भाग लेने पर ही राजनीतिक दल शामिल हों: सिब्बल

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनने के बाद राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने सर्वदलीय बैठक बुलाए जाने की रविवार को मांग की लेकिन साथ ही राजनीतिक दलों से आग्रह किया कि वे इसमें शामिल होने पर तब तक सहमत न हों जब तक सरकार यह आश्वासन नहीं देती कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसमें मौजूद रहेंगे।

सिब्बल ने संसद का विशेष सत्र बुलाए जाने की भी मांग करते हुए कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि यदि आज मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री होते तो वह सर्वदलीय बैठक में उपस्थित होते और विशेष सत्र भी बुलाया जाता।

सिब्बल ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सोशल मीडिया पोस्ट का जिक्र किया।

ट्रंप ने कहा था कि उन्हें गर्व है कि अमेरिका इस ''ऐतिहासिक और साहसिक निर्णय'' तक पहुंचने में मदद कर सका। सिब्बल ने कहा, ''इस ट्वीट पर भी कई सवाल उठेंगे। (अमेरिका के) विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि पिछले 48 घंटों से बातचीत जारी थी। तो क्या हुआ, कैसे हुआ और क्यों हुआ, इस बारे में हमें कोई जानकारी नहीं दी गई।'' उन्होंने यह भी कहा, ''तटस्थ स्थलों पर बैठक होगी। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने भी एनएसए (राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार) अजीत डोवाल से बात की है।''

'नेशनल टेक्नोलॉजी डे' पर पीएम मोदी ने कहा, 'यह पोखरण परीक्षण को याद करने का दिन'

एनसीआर टुडे. नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'नेशनल टेक्नोलॉजी डे' (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस) के अवसर पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने देश के वैज्ञानिकों के प्रति गर्व और आभार व्यक्त किया। इसके साथ ही 1998 के पोखरण परीक्षणों को याद किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "नेशनल टेक्नोलॉजी डे पर शुभकामनाएं। यह हमारे वैज्ञानिकों के प्रति गर्व और आभार व्यक्त करने तथा 1998 के पोखरण परीक्षणों को याद करने का दिन है। सभी हमारे राष्ट्र के विकास पथ में विशेष रूप से आत्मनिर्भरता की दिशा में हमारी खोज में एक ऐतिहासिक घटना थे।" उन्होंने आगे लिखा, "हमारे लोगों द्वारा संचालित भारत प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं में एक वैश्विक लीडर के रूप में उभर रहा है।

संक्षिप्त समाचार

सेना के सम्मान को आगे आए व्यापारी, सैनिकों के परिवार को सामान पर देंगे छूट

बरेली, एजेंसी। भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच सेना के जवान अपने अदम्य साहस का परिचय देते हुए सीमाओं की रक्षा के लिए अपनी जान दांव पर लगाए हुए हैं। उनकी वजह से ही हर देशवासी खुद को सुरक्षित महसूस कर रहा है। इस स्थिति को देखते हुए बरेली में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल ने सैनिकों के परिजनों को सामानों की खरीद पर छूट देने का निर्णय लिया है। इस छूट में किराना, दवा से लेकर सभी जरूरी घरेलू उत्पाद शामिल हैं। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के प्रांतीय महामंत्री राजेंद्र गुप्ता ने कहा कि व्यापारियों का भी फर्ज बनता है कि वह अपने सैनिकों के परिवारों को उनके शौर्य के लिए उत्साहित करें। उन्होंने दवा विक्रेताओं से आह्वान किया कि वह वर्तमान में सेना में कार्यरत सैनिकों के परिवार वालों के लिए 25त्न और उसी साल्ट की दवा अन्य कम्पनी की लेने पर 50त्न की छूट, किराना वाले 10त्न तथा होटल वाले सैनिकों के परिवार को 50त्न छूट देंगे। गैस सिलेंडर भरवाने पर भारत पेट्रोलियम केआरके एंटरप्राइजेज किला पर प्रति सिलेंडर 25 रुपये की छूट दी जाएगी। व्यापारियों ने सभी से अपील की है कि वे आपूर्ति संबंधित कृत्रिम कमी की किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें। प्रांतीय संयुक्त महामंत्री राजेश जसोरिया ने कहा कि बाजार में किसी भी सामान की कमी नहीं है। लोग बेवजह किसी की बातों में आकर खाद्य सामग्री आदि का भंडारण न करें। युवा महानगर महामंत्री ईशन गुप्ता ने कहा की व्यापार मंडल के युवा साथी ब्लड कैंप लगाकर सैनिकों के लिए शीघ्र ही रक्तदान करेंगे। बैठक में रेडीमेड वस्त्र व्यापार से दर्शन लाल भाटिया, किशोर केमिस्ट ग्रुप से दुर्गेश खटवानी, राकेश नरूला, मुकेश खटवानी, ,सुनील शर्मा, किराना कमेटी से त्रिलोकी नाथ गुप्ता, केमिस्ट एसोसिएशन से मुनीष प्रजापति, विजय श्रीवास्तव आदि शामिल थे।

भारत-पाकिस्तान संघर्ष को लेकर फेक न्यूज की बाढ़

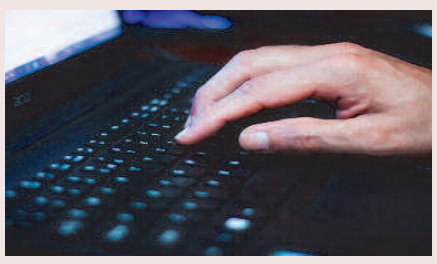

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र की साइबर पुलिस ने भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष के बारे में फर्जी खबरों और गलत सूचना से जुड़े 5000 पोस्ट को सोशल मीडिया मंच से हटा दिया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, सेना की गतिविधियों, रणनीतिक अभियानों या पड़ोसी देशों की जवाबी कार्रवाइयों के बारे में फर्जी खबरें सोशल मीडिया पर पाई गईं। अधिकारी ने बताया कि साइबर अपराध का पता लगाने वाली एजेंसी ने सैन्य संघर्ष से संबंधित फर्जी खबरों और गलत सूचनाओं के प्रसार को लेकर परामर्श भी जारी किया है।

सीनियर अधिकारी ने कहा कि ऐसी असत्यापित और भ्रामक सामग्री राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करती है। साथ हीं, संघर्ष को बढ़ाने में योगदान दे सकती हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी फर्जी खबरों और गलत सूचनाओं को गंभीरता से लेते हुए एजेंसी ने सोशल मीडिया और संचार मंचों से ऐसी झूठी खबरों को हटाने के लिए नोटिस जारी किए हैं। अधिकारी ने बताया कि एजेंसी ने सैन्य संघर्ष के बारे में फर्जी खबरें और गलत सूचना वाली लगभग 5,000 सोशल मीडिया पोस्ट हटा दी हैं।

गलत सूचना फैलाना कानून के तहत दंडनीय: अधिकारी ने कहा कि जानबूझकर या अनजाने में गलत सूचना फैलाना कानून के तहत दंडनीय अपराध है। महाराष्ट्र की साइबर पुलिस ने एक बयान में नागरिकों को सलाह दी है कि वे सूचना का इस्तेमाल और इसे साझा करते समय, विशेष रूप से राष्ट्रीय महत्व के मामलों के बारे में, संयम और विवेक का प्रयोग करें। इन दिनों पाकिस्तानी हैकर समूहों (जैसे-एचओएएक्स1337, नेशनल साइबर क्रू और पाकिस्तान साइबर फोर्स) ने भारतीय रक्षा और सरकारी वेबसाइटों पर बड़े पैमाने पर साइबर हमले किए हैं। महाराष्ट्र साइबर पुलिस के अनुसार, 22 अप्रैल के बाद 10 लाख से अधिक साइबर हमले दर्ज किए गए, जिनमें मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विसेज, मनोहर पर्रिकर रक्षा अध्ययन संस्थान और आर्मर्ड व्हीकल निगम लिमिटेड की वेबसाइटें निशाना बनीं। इन हमलों में संवेदनशील डेटा, जैसे लॉगिन क्रेडेंशियल्स, चुराने की कोशिश की गई।

जम्मू के लोगों ने बताया- सायरन बजने से खुली आंख और तुरंत घर से बाहर भागे, नहीं तो मारे जाते

जम्मू , एजेंसी। पाकिस्तान के मोर्टार और ड्रोन हमलों से प्रभावित जम्मू शहर की रिहाड़ी कॉलोनी के एक निवासी ने पूरे घटनाक्रम को याद किया। उन्होंने कहा कि सायरन की आवाज सुनकर हमारी आंखें खुल गईं और कुछ ही देर बाद ही एक भीषण विस्फोट ने हमारे घर को हिलाकर रख दिया। भारतीय सशस्त्र बलों की ओर से रात भर कई ड्रोन हमलों को नाकाम किया गया।

इसके कुछ घंटों बाद शनिवार तड़के जम्मू शहर के रिहाड़ी और रूप नगर सहित कुछ रिहायशी इलाकों में गोले और संदिग्ध ड्रोन के हमले किए गए। जम्मू में 6 स्थानों पर हमले हुए। हमले में सबसे ज्यादा प्रभावित घनी आबादी वाली रिहाड़ी कॉलोनी हुई जहां एक बम गुलशन दत्त के घर पर आ गिरा। इससे इमारत और आसपास के कई वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। इस घटना में एक व्यक्ति घायल हो गया, लेकिन परिवार बाल-बाल बच गया। दत्त की पत्नी ने घटना को याद करते हुए कहा, 'सायरन की आवाज से हमारी आंखें खुलीं और हम बालकनी में आने के बाद भूतल की ओर भागे। कुछ ही पलों में हमारे घर में एक जबरदस्त धमाका हुआ।' उन्होंने कहा कि सायरन ने हमारी जान बचा ली। अगर हम नहीं जागते तो हम मर जाते। माता रानी ने हमें बचा लिया। रिहाड़ी कॉलोनी में तबाही के दृश्य युद्ध क्षेत्र जैसे हैं। तबाह इमारतों के कंक्रीट के हिस्से, टूटी खिड़कियां और क्षतिग्रस्त दीवार और वाहन देखे जा सकते हैं। दत्त ने आज सुबह करीब सवा पांच बजे विस्फोट सुना जिसने उनके पूरे घर को हिलाकर रख दिया। उन्होंने कहा, 'हमारा पूरा घर हिल गया। हमें लगा कि अब सब खत्म हो गया है।'

शंभू मंदिर को निशाना बनाकर हमला

एक अन्य बम आप शंभू मंदिर को निशाना बनाकर दागा गया, लेकिन वह सुनसान घर के पास गिरा जिससे बड़ी जनहानि टल गई। एक श्रद्धालु सुदेश कुमार ने कहा, 'हम सुबह की पूजा के लिए आए थे, तभी एक जोरदार विस्फोट ने सन्न कर दिया। हर तरफ मलबा बिखर गया।' उन्होंने कहा कि अगर यह और बाद में हुआ होता तो कई लोगों की जान जा सकती थी। जानीपुर में एक घर की छत पर भी गोला गिरा, जिससे आसपास के इलाके में काफी नुकसान हुआ। हालांकि, डर के कारण परिवार ने घर बंद कर दिया और दूसरी जगह चले गए। जानीपुर निवासी ओमकार सिंह ने कहा, 'हम ड्रोन अलर्ट के कारण पूरी रात जागते रहे। फिर विस्फोट हुए। अब डर का माहौल है। लोग अपने घरों में भी असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।'

1971 के युद्ध की यादें ताजा

हजूरीबाग की शकुंतला देवी ने भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, 'वे अब नागरिकों को निशाना बना रहे हैं। जब वे हमारी सेना से नहीं लड़ सके तो निर्दोष लोगों पर हमला करके हमें तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं।' एक व्यापारिक केंद्र के पास गोदाम में काम करने वाले करतार चंद ने आज सुबह पास में एक गोला फटते देखा। उन्होंने कहा, 'हम डरे नहीं है, लेकिन पाकिस्तान को इसकी कीमत चुकानी होगी। उसे जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को बढ़ावा देने से रोका जाना चाहिए।' तालाब तिल्लो निवासी देवी शरण गुप्ता ने कहा कि इन हमलों ने 1971 के युद्ध की यादें ताजा कर दीं। उन्होंने कहा, 'मैंने तब से जम्मू में ऐसा कुछ नहीं देखा। रिहायशी इलाकों को इस तरह निशाना बनाना सोच से परे है।' शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी हमलों की निंदा की थी।

सोशल मीडिया पर पाकिस्तानी झंडा और देश विरोधी पोस्ट करने वाले 2 लोगों पर शिमला में एफआईआर

शिमला, एजेंसी। भारत-पाकिस्तान में तनाव के दौरान शिमला से सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक गतिविधियों के दो मामले सामने आए हैं। इनमें पाकिस्तान के झंडे और राष्ट्रविरोधी सामग्री को प्रोफाइल फोटो और फेसबुक पोस्ट में शामिल किया गया है। पुलिस ने दोनों मामलों में कड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पहला मामला शिमला शहर के सदर थाना क्षेत्र का है, जहां एक युवक ने अपने वॉट्सऐप अकाउंट की डिस्प्ले फोटो (डीपी) में पाकिस्तान का झंडा लगाया था। आरोपी की पहचान आदिल मगरे के रूप में हुई है, जो मूल रूप से जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले का रहने वाला है और वर्ष 2016 से शिमला में एक गैस एजेंसी में काम कर रहा है। इसकी सूचना मिलने के बाद पुलिस तुरंत हरकत में आई और भारतीय न्याय संहिता की धारा 196 और 197(1) के तहत मामला दर्ज कर लिया। आरोपी को हिरासत में लेने की कार्रवाई जारी है। पुलिस के अनुसार, इस प्रकार की हरकतें देश की एकता, अखंडता और सांप्रदायिक सौहार्द पर सीधा प्रहार हैं। ऐसे समय में जब देश की सीमाओं पर तनाव बना हुआ है और हाई अलर्ट की स्थिति है तो इस तरह के कृत्य न केवल संवेदनशील माहौल को प्रभावित कर सकते हैं बल्कि डिजिटल माध्यमों से अराजकता फैलाने का माध्यम भी बन सकते हैं।

वहीं, दूसरा मामला शिमला जिले के सुन्नी थाना क्षेत्र से सामने आया है। यहां एक युवक द्वारा फेसबुक पर कथित राष्ट्र विरोधी सामग्री शेयर किए जाने के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। शिकायतकर्ता टेक चंद ठाकुर और अन्य स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि इरशाद पुत्र इलियास, निवासी

सहारनपुर (उत्तर प्रदेश) ने फेसबुक पर आपत्तिजनक पोस्ट शेयर की थी। इससे लोगों में आक्रोश फैल गया। गुस्साए लोगों ने पुलिस से तुरंत कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने इस मामले में भी भारतीय न्याय संहिता की धारा 196 और 197 के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है। आरोपी युवक का मोबाइल फोन जब्त कर साइबर फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है। पुलिस के मुताबिक इस मामले में भी जांच जारी है और दोषी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर हिमाचल प्रदेश में सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया गया है। सीमावर्ती राज्यों के साथ-साथ पहाड़ी क्षेत्रों में भी संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

देश का पहला हाइड्रोजन ट्रक सड़क पर उतरा

सीएम साय ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

रायपुर, एजेंसी। हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाला देश का पहला ट्रक सड़क पर उतर चुका है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शनिवार को इसे हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साय ने अपना हस्ताक्षर कर हाइड्रोजन ट्रक के चालक को चाबी सौंपी और इस अभिनव पहल के लिए सीएसपीजीसीएल और अदाणी नेचुरल रिसोर्सेस को शुभकामनाएं दीं।

अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री साय ने शनिवार को अपने निवास परिसर से देश के पहले हाइड्रोजन ईंधन लॉजिस्टिक ट्रक को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने बताया कि साय ने अपना हस्ताक्षर कर हाइड्रोजन ट्रक के चालक को चाबी सौंपी और इस अभिनव पहल के लिए छत्तीसगढ़ राज्य ऊर्जा उत्पादन कंपनी लिमिटेड (सीएसपीजीसीएल) और अदाणी नैचरल रिसोर्सेस को शुभकामनाएं दी।

हरित ऊर्जा की ओर अग्रसर करने वाला क्रांतिकारी कदम: मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल छत्तीसगढ़ और देश को हरित ऊर्जा की ओर अग्रसर करने वाला क्रांतिकारी कदम होगा। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ लगातार विकास कर रहा है और इसमें आज एक नया आयाम जुड़ा है। भारत के पहले हाइड्रोजन ईंधन लॉजिस्टिक ट्रक की शुरुआत छत्तीसगढ़ में हो रहा है। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान है और उन्होंने वर्ष 2070 तक भारत को शून्य कॉर्बन उत्सर्जन वाला देश बनाने का जो संकल्प लिया है, उसे पाने की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण है। पर्यावरण संरक्षण और औद्योगिक विकास के बीच संतुलन साधने में भी यह कदम मददगार होगा।

कोयला परिवहन में उपयोग किया जाएगा: मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ संभव हैं और ऐसी पहल से हमारे संकल्प को और मजबूती मिलेगी। अधिकारियों ने बताया कि राज्य में हरित भविष्य को सुरक्षित करने के उद्देश्य से सीएसपीजीसीएल और अदाणी नैचरल रिसोर्सेस ने यह साझा प्रयास किया है। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड द्वारा रायगढ़ जिले के गारे पेल्मा-तीन कोल ब्लॉक से राज्य की विद्युत उत्पादन इकाई तक कोयला परिवहन में इसका उपयोग किया जाएगा।

स्वच्छ और ग्रीन ट्रांसपोर्ट को बढ़ावा देने वाला कदम

उन्होंने बताया कि इस मौके पर अडानी इंटरप्राइजेज के नैचरल रिसोर्सेस के सीईओ डॉक्टर विनय प्रकाश, छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध संचालक संजीव कटियार और अडानी ग्रुप के प्रतिनिधि मौजूद थे। अदाणी समूह के अधिकारियों ने बताया कि अदाणी ग्रुप की प्रमुख कंपनी, अदाणी इंटरप्राइजेज ने भारत का पहला हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रक जारी किया है, जो लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में स्वच्छ और ग्रीन ट्रांसपोर्ट व्यवस्था को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। आने वाले समय में हाइड्रोजन से चलने वाले ये ट्रक डीजल वाहनों की जगह लेने के लिए तैयार हैं।

200 किमी तक 40 टन माल ले जाने की क्षमता

अधिकारियों ने बताया कि अदाणी इंटरप्राइजेज एक भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा तकनीकी कंपनी तथा एक प्रमुख ऑटो निर्माता कंपनी के साथ मिलकर माल परिवहन के लिए हाइड्रोजन फ्यूल सेल बैटरी से चलने वाले ट्रक विकसित कर रहा है। प्रत्येक ट्रक स्मार्ट तकनीक और तीन हाइड्रोजन टैंक से लैस होगा, जिसमें 200 किलोमीटर की दूरी तक 40 टन तक का माल ले जाने की क्षमता होगी।

धुएं की जगह भाप और गर्म हवा का उत्सर्जन

उन्होंने बताया कि हाइड्रोजन प्रचुर मात्रा में पाया जाने वाला तत्व है और यह किसी भी प्रकार का हानिकारक उत्सर्जन नहीं करता है। हाइड्रोजन ईंधन सेल से चलने वाले वाहन डीजल ट्रक जितनी दूरी और लोड उठाने की क्षमता रखते हैं। लेकिन धुएं के बजाए ये सिर्फ भाप और गर्म हवा उत्सर्जित करते हैं तथा आवाज भी बहुत कम करते हैं।

गर्लफ्रेंड से शादी करना चाहता था युवक, गला दबाकर पत्नी को मारा

गुरुग्राम , एजेंसी। गर्लफ्रेंड से शादी करने के चक्कर में पति ने पत्नी का गला घोंटकर हत्या की थी। गुरुग्राम पुलिस ने मृतक महिला के परिजनों की शिकायत पर शनिवार को मानेसर थाने में हत्या की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान सोनू निवासी गांव टेंडा, जिला कानपुर नगर (यूपी) के रूप में हुई है। पुलिस आरोपी को रविवार कोर्ट में पेश कर आगामी कार्रवाई करेगी।

मानेसर थाना एसएचओ इंस्पेक्टर सतेंद्र रावल ने बताया कि शुरुआती पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी अपनी गर्लफ्रेंड से शादी करना चाहता था, इसलिए उसने शुक्रवार को 20 वर्षीय पत्नी नैंसी की गला दबाकर हत्या कर दी थी। आरोपी ने बताया कि नैंसी से उसकी शादी 2022 में हुई थी और इनका एक नौ महीने का बेटा भी है।

सोनू और नैंसी करीब पांच महीने पहले मानेसर आए थे और वह यहां किराए का ऑटो चलाता था। पुलिस को शुक्रवार सुबह 8 बजे सूचना मिली थी कि आईएमटी चौक के करीब ओएमटी टावर के पास झुग्गियों में एक महिला की हत्या हो गई है।

मानेसर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सतेंद्र रावल, घटनास्थल पर पहुंचे, जहां पर एक महिला का शव जमीन पर पड़ा मिला। पुलिस ने आसपास लोगों से पूछताछ की तो पता चला कि महिला का नाम नैंसी है। इसके बाद पुलिस ने शक के आधार पर उसके पति को हिरासत में लिया था। पुलिस की पूछताछ में आरोपी बार-बार अपने बयान बदलकर पुलिस को गुमराह कर रहा था। पुलिस ने जब उससे सख्ती से पूछताछ की तो उसने हत्या की बात कबूल कर ली।

महिला दोस्त के चक्कर में पत्नी का दबाया था गला: इंस्पेक्टर सतेंद्र रावल ने बताया कि पुलिस ने शनिवार को महिला के शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को शव सौंप दिया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी सोनू कई दिन से एक अन्य महिला से बातचीत कर रहा था। वह उसकी गर्लफ्रेंड बताई जा रही है। वह अपनी पत्नी नैंसी से पीछा छुड़ाना चाहता था, इसलिए उसने नैंसी की गला दबाकर हत्या कर दी और मामले में वह पुलिस को गुमराह कर रहा था।

पाकिस्तान पर भरोसा नहीं कर सकते, हमें सतर्क रहना चाहिए: सैयद नसरुद्दीन चिश्ती

अजमेर, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच शनिवार दोपहर को सीजफायर को लेकर सहमति बनी, जिसके बाद अजमेर स्थित प्रसिद्ध सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह के दीवान के उत्तराधिकारी और ऑल इंडिया सूफी सज्जादानशीन काउंसिल के अध्यक्ष सैयद नसरुद्दीन चिश्ती ने इस फैसले का स्वागत किया और कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री ने देश की भावनाओं को समझा और पाकिस्तान में घुसकर उसको उसी की भाषा में जवाब दिया। साथ ही चिश्ती ने यह भी कहा कि सबको लग रहा था कि इस बार पीओके भी वापस भारत में मिल जाएगा, हालांकि ऐसा नहीं हो सका। लेकिन इसके साथ ही उन्होंने सरकार को पाकिस्तान से बचकर रहने की सलाह भी दी। उन्होंने कहा कि ऐसी नापाक सोच रखने वालों, आतंक का गढ़ वालों पर भरोसा नहीं किया जा सकता। सैयद नसरुद्दीन चिश्ती ने इस बारे में एएनआई से बात करते हुए कहा, भारत शुरू से ही शांतिप्रिय देश रहा है। भारत ने कभी भी युद्ध में या संघर्ष में कभी भी विश्वास नहीं रखा है...लेकिन जहां देशवासियों की आन-बान-शान की बात आती है, और देश की सुरक्षा की बात आती है, तो कभी भारत पीछे भी नहीं हटता है।

फरीदाबाद के 4 बड़े चौराहों पर जाम खत्म करने का प्लान तैयार

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद शहर में जाम की समस्या से जूझ रहे लोगों के लिए राहत की खबर है। फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण की ओर से एनआईटी, ओल्ड फरीदाबाद और ग्रेटर फरीदाबाद में चार व्यस्त चौराहों पर ट्रैफिक लाइटें लगाई जाएंगी। इससे न केवल जाम की समस्या से छुटकारा मिलेगा, बल्कि शहर के प्रदूषण स्तर में भी कमी आएगी और वाहनों को रफ्तार भी मिलेगी।

फरीदाबाद शहर में ट्रैफिक जाम की भारी समस्या है। एनआईटी की सड़कें हों या ग्रेटर फरीदाबाद और ओल्ड फरीदाबाद क्षेत्र की लगभग सभी जगह सुबह-शाम सड़कों पर वाहन रेंगते नजर आते हैं। सड़कों के दोनों तरफ अवैध रूप से खड़े वाहन भी जाम की मुख्य वजह बनते हैं। ऐसे में फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एफएमडीए) ने एनआईटी, ओल्ड फरीदाबाद और ग्रेटर फरीदाबाद के व्यस्त चौराहों पर लाइटें लगाने

की योजना तैयार की है, जहां फिलहाल ट्रैफिक लाइट्स नहीं हैं। लाइट्स नहीं होने के कारण वाहन चालकों को लंबे जाम का सामना करना पड़ता है।

सेंसर तकनीक का इस्तेमाल

अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही चयनित चौकों पर आधुनिक ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम के तहत लाइटें लगाई जाएंगी। इन लाइट्स के संचालन के लिए सेंसर आधारित तकनीक का उपयोग किया जाएगा, जिससे ट्रैफिक का वास्तविक समय पर आंकलन करके लाइटों का संचालन हो सकेगा। इससे यातायात नियंत्रित किया जा सकेगा और अनावश्यक रुकावटों से बचा जा सकेगा।

प्रदूषण पर लगाम लगेगी

सड़कों के व्यस्त चौराहों पर ट्रैफिक की समस्या रहने के कारण रोजाना लंबा जाम लगता है। चौराहों पर घंटों जाम लगा होने से प्रदूषण बढ़ता है।खासकर सर्दियों में स्मार्ट सिटी गैस चैंबर बनने जैसी स्थिति पैदा हो जाती है, जिसे देखते हुए व्यस्त चौराहों पर ट्रैफिक लाइटें लगाने की तैयारी की गई है। इससे जहां लोगों को जाम मुक्ति मिलेगी। वहीं बढ़ते प्रदूषण पर लगाम लगेगी। क्षितिज वर्मा, कार्यकारी अभियंता, एफएमडीए, फरीदाबाद की ओर से लाइटें लगाने के लिए टेंडर जारी कर दिया है। इस योजना पर करीब 65 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे।

फरीदाबाद में ड्रोन और आतिशबाजी बैन; पकड़े जाने पर ऐक्शन

फरीदाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान से जारी तनाव के बीच सुरक्षा को देखते हुए फरीदाबाद में ड्रोन और आतिशबाजी पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। फरीदाबाद जिला प्रशासन ने ड्रोन और पतंग उड़ाने पर पाबंदी लगा दी है। इनके अलावा माइक्रोलाइट विमान, ग्लाइडर, हॉट एयर बैलून, पतंगबाजी, चीनी माइक्रोलाइट्स और आतिशबाजी पर भी पूरी तरह प्रतिबंधित रहेंगे। शुक्रवार को जिलाधीश विक्रम सिंह ने यह आदेश जारी किए हैं।

फरीदाबाद में ये प्रतिबंध नौ मई से सात जुलाई तक लागू रहेंगे। यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत जारी हुआ है। इसका उल्लंघन करने पर भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत कानूनी कार्रवाई होगी। प्रशासन ने लोगों से सतर्क और सहयोगी रहने की अपील की है।

इस बीच पाकिस्तान के हमले के दौरान आपात स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। प्रशासन की ओर से लोगों को जागरूक किया जा रहा है। राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर लोगों को सतर्क रहने की अपील की गई है।

रिक्त भूखंडों को छोटा कर बेचेगा जीडीए

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। जीडीए की जिन योजनाएं में बड़े भूखंड रिक्त हैं, उन्हें छोटा कर बेचा जाएगा। इसके लिए प्राधिकरण ऐसे भूखंडों की सूची तैयार कर रहा है, ताकि उन्हें बेचने की योजना तैयार हो सके। जीडीए की विभिन्न योजनाओं में दो हजार वर्ग मीटर से बड़े और छोटे भूखंड रिक्त पड़े हैं। बड़े भूखंडों में ग्रुप हाउसिंग से लेकर आर्ट गैलरी समेत अन्य भू उपयोग वाले मौजूद है। यह भूखंड करीब दस साल से नहीं बिक सके हैं। अब प्राधिकरण इन भूखंडों को बेचने के लिए सूची तैयार करेगा। ताकि इनका भू उपयोग देखा जा सके। फिर इनके भू उपयोग को देखते हुए इन्हें छोटा करने की योजना बनेगी। जरूरत पड़ी तो इनका भू उपयोग भी परिवर्तित किया जा सकता है। जीडीए के अपर सचिव बताते हैं कि प्राधिकरण की संपत्ति खरीदने में लोग रुची दिखा रहे हैं। ऐसे में इन भूखंडों को भी बेचने की योजना बनाई जा रही है।

हादसे में मौत: एक माह बाद केस

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मुरादनगर के गांव निवासी कमरजहां ने बताया कि छह अप्रैल को चार साल का पुत्र अमान साइकिल चला रहा था। इसी बीच तेज रफ्तार ट्रैक्टर चालक ने उसे कुचल दिया। हादसे में बेटे की मौके पर ही मौत हो गई थी। कमरजहां का आरोप है कि आरोपी पक्ष ने दबाव बनाकर मामले में जबरन समझौता करा दिया। हालांकि, एक माह बाद परिजनों ने मुरादनगर थाने में तहरीर दी।

गौरव चौहान ने कालेज में प्राप्त किया प्रथम स्थान

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷। एसबी कालेज आफ ला बिजनौर में प्रथम सेमीस्टर छात्र गौरव चौहान ने कालेज में सर्वोच्च स्थान पाया है। गौरव चौहान को 70.8 % अंक प्राप्त करने पर कालेज के प्राचार्य डाक्टर एसएम व ममित जैन ने छात्रों को बधाई देते हुए उत्साहवर्धन भी किया। राघव मित्तल ने दूसरा व योगेश्वर कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है। तीनों के परिवार में खुशी का माहौल है।

नवनवेली दुल्हन ने देश की सुरक्षा हेतु पति को दी सम्मान सहित विदाई

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷। नवनवेली दुल्हन ने शादी के नौ दिन बाद ही पति को देश की रक्षा के लिए विदाई दी। गांव हीमपुर दीपा के निवासी हर्षित गुप्ता सीआरपीएफ में नियुक्त है जिनकी शादी 30 अप्रैल को हुई है शादी के लिए वह अवकाश पर आए हुए थे, सीमा पर भारत-पाकिस्तान युद्ध शुरू होने के बाद सभी जवानों की छुट्टी रद्द कर दी गई जिसके चलते हर्षित गुप्ता को भी भारत माता की सेवा में बुलावा आ गया इसके बाद परिजनों तथा पत्नी ने सम्मान सहित खुशी- खुशी हर्षित गुप्ता को विदाई दी इस मौके पर शिक्षा सेवा प्रमुख चौधरी वीर सिंह तथा उनके साथी भी मौजूद थे जिन्होंने आशीष गुप्ता का माल्यार्पण कर सम्मान किया। इस मौके पर एकत्रित ग्रामीणों ने भारत माता की जय नारे लगाते हुए हर्षित गुप्ता को रवाना किया।

2027 के विधानसभा चुनाव में किसी की धांधली नहीं चलेगी: शमशाद रशीद

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी के आह्वान पर चलाए जा रहे PDA चर्चा कार्यक्रम ग्राम अब्दुल अजीजपुर उर्फ डेलपुरा में पंचायत की जमीन पर नुक्कड़ सभा में बोलते हुए शमशाद रसीद ने कहा आने वाले विधानसभा 2027 के चुनाव में किसी की भी धोखाधड़ी नहीं चलेगी और समाजवादी पार्टी पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगी। अखिलेश यादव मुख्यमंत्री बनेंगे समाजवादी पार्टी को जीतने के लिए गांव वालों से सहयोग मांगा और उनका हाल-चाल जाना गांव वालों ने पंचायत घर पंचायत की जमीन पर बनवाने की मांग की लाइट लगवाने की मांग की सड़क बनवाने की मांग की। उन्होंने नगीना विधायक से गांव का दौरा करके यहां की जन समस्याएं जानकर ग्राम डेलपुरा सैद खेड़ी पुरैनी में यहां का समाधान करनेको भी मांग की बैठक में पवन रणजीत सिंह, राजू सिंह बलेश, कमलेश भैया, हरिकेश राम, नंदलाल, साधुराम, हरपाल सिंह, नंदराम सिंह, जयप्रकाश, पुरुषोत्तम, उस्मान समेत सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

डॉक्टर भीमराव अंबेडकर विकास समिति ने किया बैठक का आयोजन

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। 11 मई को डॉ भीमराव अंबेडकर विकास समिति द्वारा अंबेडकर पार्क में एक बैठक की गई जिसमें समिति के अध्यक्ष पूर्व विधायक सतीश गौतम का कार्यकाल पूरा होने पर उन्होंने पूरे वर्ष का लेखा-जोखा और वित्त संपूर्ण बिरादरी के सामने रखा। इसके बाद एक नए अध्यक्ष का चुनाव होना था लेकिन किसी कारणवश वाद विवाद होने के कारण नए अध्यक्ष का चुनाव नहीं हो सका। मान्यवर विधायक मनोज पारस जी ने इस वाद विवाद को खत्म किया। बैठक को आगे स्थगित किया अब अगली बैठक जो की 31 मई ,2025 को आयोजित होगी। जिसका समय 4:00 बजे का होगा। इसका मुख्य स्थान भी डॉ भीमराव अंबेडकर पार्क ही रखा गया। आज के कार्यक्रम में पूर्व विधायक सतीश गौतम पूर्व राज्य मंत्री वर्तमान विधायक मनोज पारस, भूरे प्रधान, सुगमचंद प्रधान, धर्मेंद्र कुमार, गोपाल बैंक प्रबंधक, पूर्व रविदास सभा के अध्यक्ष राजकुमार, रिटायर बाबू मदनपाल सिंह, विजेंद्र सिंह, रामदयाल गैस वाले सैकड़ो समाज के व्यक्ति रहे।

ऑपरेशन सिंदूर का नगर वासियों ने व समाजसेवियों ने स्वागत किया

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। ऑपरेशन सिंदूर का नगर के समाज सेवीयों ने स्वागत करते हुवे कहा कि इस मुद्दे पूरा भारत एक जुट है पाकिस्तान को उसके ही धरती पर धूल चाटना हमारे देश के सैनिको कि गौरव पूर्ण कार्यवाही है नगीना के भारतीय जनता पार्टी के मण्डल संयोजक नगीना अतुल भारती ने बताया कि कश्मीर के पहलगाम मे घटी आतंकी घटना मे शहीद हुवे निर्दोष लोगो कि हत्या का बदला लेने का ऑपरेशन सिंदूर भारत का करारा जवाब है हमारे देश के सैनिको कि यह कार्यवाही पहलगाम हमले मे शहीद हुवे लोगो को असली श्रद्धांजलि है हमें अपने देश के सैनिको पर गर्व है और पाकिस्तान से जंग होने कि स्थिति मे देश का हर नागरिक एक सिपाही कि तरह लड़ने के लिए तैयार है आज सबसे ज्यादा इस बात कि जरूरत है कि आज हम जाती धर्म भाषा के आधार पर किसी भी विवाद मे ना पड़े सब देशवासी एकजुट होकर भारतीय सैनिको व सरकार का साथ दे।

रेस लगाने पहुंचे 67 बाइकर्स को ट्रैफिक पुलिस ने लौटाया

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

यमुना और नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे पर रेस लगाने के लिए दिल्ली से आए 67 बाइकर्स को ट्रैफिक पुलिस ने रविवार सुबह लौटा दिया।

डीसीपी ट्रैफिक लखन सिंह यादव ने बताया कि दिल्ली निवासी कुछ युवक स्पोर्ट्स बाइक लेकर नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे और यमुना एक्सप्रेसवे पर रेस के लिए आते हैं।

शनिवार रात को ही छह जगह कालिंदी कुंज, डीएनडी बॉर्डर, चिल्ला बॉर्डर और जीरो प्वाइंट पर पुलिस की तैनाती के निर्देश जारी कर दिए गए थे। सुबह 5 बजे से चारों बॉर्डर पर पुलिस टीम तैनात की गई थी।

करीब साढ़े 6 बजे से बाइकर्स का नोएडा-ग्रेटर नोएडा की ओर आना शुरू हो गया। जीरो प्वाइंट और दिल्ली, नोएडा के तीनों से बाइक सवार युवकों को नोएडा में प्रवेश करने पर रोक दिया गया। समझाने के बाद उनको वापस भेज दिया गया। टीएसआई ने सभी बाइकर्स के नाम, नंबर और पता नोट कर चेतावनी दी है। पुलिस ने कहा वह दोबारा एक्सप्रेसवे पर रेस लगाने के लिए आए तो उनकी बाइक जब्त कर ली जाएगी। वही ग्रेनो में रविवार सुबह जीरो प्वाइंट पर ट्रैफिक इंस्पेक्टर अरविंद कुमार ने विशेष चेकिंग अभियान चलाया। बैरिकेडिंग कर सभी संदिग्ध बाइकर्स को रोका गया और आवश्यक पूछताछ की गई। जिन बाइकर्स के पास वाहन के कागजात या ड्राइविंग लाइसेंस नहीं मिले, उनके खिलाफ चालान की कार्रवाई की गई। ट्रैफिक पुलिस ने स्टंटबाज बाइकर्स के बारे में सूचना देने के लिए एक हेल्पलाइन नंबर 9971009001 जारी किया है।

नियमों के उल्लंघन पर 78 का चालान

ट्रैफिक पुलिस की ओर से गलगोटिया यूनिवर्सिटी के सामने बिना नंबर प्लेट, फिटनेस समाप्त, मानक से अधिक सवारी बैठने एवं यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले ऑटो और टेंपो के 78 चालान किए गए। 11 वाहनों को सीज किया गया।

डांट से नाराज घर छोड़कर गए बच्चे को तलाशा

एनसीआर टुडे. नोएडा। सर्फाबाद गांव स्थित घर से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हुए नौ साल के बच्चे को पुलिस ने सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

सेक्टर-113 थाना प्रभारी के मुताबिक शुक्रवार को सर्फाबाद गांव निवासी व्यक्ति ने बताया कि उनका नौ साल का बेटा घर के बाहर खेल रहा था। वह अब नहीं मिल रहा है। पुलिस ने बच्चे की सकुशल बरामदगी के लिए एक टीम गठित की और सीसीटीवी फुटेज खंगाली जाने लगी। सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से अगले दिन यानि शनिवार रात को बच्चे को सेक्टर-52 मेट्रो स्टेशन के पास से सकुशल बरामद कर लिया गया।

एक राष्ट्र - एक चुनाव विषय पर आयोजित प्रबुद्ध लोगों का सम्मेलन

✷ एनसीआर टुडे. हल्दौर ✷

शनिवार को सीडी इंटर कॉलेज हल्दौर में विधानसभा सम्मेलन नहटौर 'एक राष्ट्र- एक चुनाव' विषय पर आयोजित 'प्रबुद्धजन संगोष्ठी' में कार्यक्रम संयोजक के रूप में प्रबुद्धजनों को सम्बोधित किया। 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' केवल एक राजनीतिक सुधार ही नहीं बल्कि लोकतंत्र की मजबूती की दिशा में ऐतिहासिक कदम है तथा शासन की दक्षता को बढ़ाने के साथ-साथ देश की आर्थिक स्थिरता को भी बेहतर बढ़ावा देगा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉक्टर बीरबल सिंह (क्षेत्रीय संयोजक सहकारिता प्रकोष्ठ) सह संयोजक शोभित त्यागी, प्रबंधक सीडी इंटर कॉलेज सुशांत ऐरन, पीयूष चौहान वैभव गोयल राकेश सैनी, प्रधानाचार्य सीडी इंटर कॉलेज मेजर रमाशंकर दर्पण रावल, ब्लॉक प्रमुख नहटौर राकेश चौधरी कपिल शर्मा रुश्तम यादव वरुण अग्रवाल सभासद, ऋषभ रश्तोगी, वरुण प्रताप सिंह उर्फ हनी प्रधान नामित संचालक गन्ना समिति हल्दौर, चौधरी नीरज कुमार, चौधरी भूरे सिंह, नरेश प्रधान हेमेंद्र प्रधान, रामकुंवर प्रधान, चौधरी फकीरचंद जसहित सम्मानित जन, उपस्थित रहे।

सभासदों की नाराजगी के चलते 9 मई की बोर्ड बैठक लटकी

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

नगर पालिका में आयोजित होने वाली बोर्ड की बैठक अपरिहार्य कारणों स्थगित कर दी गई। जिसको लेकर बोर्ड की बैठक में रखे जाने वाले प्रश्ताव एक बार फिर से लटक गए। नहटौर नगर पालिका में 21 अप्रैल को बोर्ड की बैठक आयोजित हुई थी। लेकिन सभासदों के विरोध के चलते बोर्ड की बैठक में कोई भी प्रश्ताव पास नहीं हो सका था। सभासदों ने बोर्ड की बैठक में 21 अप्रैल को कई जानकारियां मांगी थी।

जानकारी उपलब्ध नहीं कराने पर सभासदों ने बहिष्कार कर दिया था। इसके बाद 9 मई को दोबारा से बोर्ड की बैठक का आयोजन करने के लिए निर्धारित किया गया था। सभासद बोर्ड की बैठक में शामिल होने के लिए निर्धारित समय पर पालिका में पहुंच गए थे लेकिन बोर्ड की बैठक स्थगित हो गई। जिससे बोर्ड की बैठक में रखे जाने वाले प्रश्ताव एक बार फिर से लटक गए है।

अध्यक्ष लोकेंद्र चौधरी का प्रयास रंग लाया

रोडवेज बस स्टैंड निर्माण को मंत्री की स्वीकृति के बाद आर एम मुरादाबाद ने किया निरीक्षण

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

नगर पंचायत झालू के विकास के लिए सदैव चिंतन कर विकास की योजनाओं को अमली जामा पहनाने में जी जान से लगे बेहद मिलनसार एवं व्यवहार कुशल नगर पंचायत अध्यक्ष लोकेंद्र चौधरी की पहल पर परिवहन मंत्री ने झालू में रोडवेज बस स्टैंड निर्माण के आदेश दिए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इसको लेकर मुरादाबाद आर एम ने मौके का निरीक्षण किया। नगर में बिजली घर के पास खाली पड़ी भूमि को रोडवेज बस स्टैंड के लिए प्रश्तावित किया गया है।

आर एम ने बताया कि बस स्टैंड निर्माण के लिए भूमि का निरीक्षण किया गया है और शीघ्र ही निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह बस स्टैंड यात्रियों के लिए सुविधाजनक होगा और शहर के यातायात को भी सुगम बनाएगा।

लोकेंद्र चौधरी ने कहा कि चुनाव में सबसे पहले नगर वासियों की डिमांड थी जिसे पूरा करने के लिए हम प्रयास कर रहे हैं। आम जनता के आशीर्वाद से जनता से किए गए इस चुनावी वायदे को पूरा करने के लिए भी अध्यक्ष ने जिला प्रशासन के साथ-साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं परिवहन राज्य मंत्री का आभार व्यक्त किया है।

जल्दी ही जनता से किए वादे को पूरा करने के लिए परिवहन मंत्री ने यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि बस स्टैंड निर्माण से क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी और उनकी यात्रा सुविधाजनक हो जाएगी।

निरीक्षण के दौरान आर एम ने बस स्टैंड निर्माण के लिए आवश्यक तैयारियों का जायजा लिया। साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे निर्माण कार्य को जल्द से जल्द करायेंगे।

कोपा से लापता किशोर का तीन दिन बाद भी नहीं लगा सुराग

✷ एनसीआर टुडे. बढ़ापुर ✷

ग्राम अल्हेदादपुर खजवा उर्फ कोपा से लापता किशोर का तीन दिन बाद भी पता नहीं चला हैं। अब पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर गहनता से किशोर की तलाश शुरु कर दी है। थाना क्षेत्र के ग्राम अल्हेदादपुर खजवा उर्फ कोपा निवासी अब्दुल वाहिद की पत्नी सलमा ने पुलिस में दी तहरीर में बताया कि उसका पुत्र चांद (16 वर्ष) सात मई की शाम करीब सात बजे से गांव से लापता है।

लापता किशोर के परिजनों ने अपने श्तर से अपनी सभी रिश्तेदारियों में फोन कॉल कर किशोर का पता लगाया किया किंतु वह रिश्तेदारी में कहीं नहीं पहुंचा है।

परिजनों ने ग्रामीणों के साथ किशोर को गांव व संभावित स्थानों पर भी तलाशा पर कहीं कुछ पता नहीं चला है। महिला ने पुलिस से उसके पुत्र की बरामदगी की गुहार लगाई। किशोर का पिता अब्दुल वाहिद काम के सिलसिले में पुणे में रहता है जो पुत्र की खबर मिलने पर शनिवार को अपने गांव आया है।

पुलिस ने तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर लापता किशोर की गहनता से तलाश शुरु कर दी हैं।

व्यापारियों को पंजीयन से योजनाओं का लाभ दिलाने की तैयारी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

राज्य कर विभाग की ओर से पंजीयन अभियान चलाया जा रहा है। विभाग के अधिकारियों द्वारा जगह-जगह शिविर लगाकर व्यापारियों को पंजीयन के प्रति जागरूक किया जा रहा है, जिसमें पंजीयन के लाभ बताए जा रहे हैं, ताकि सभी व्यापारी पंजीयन कराए।

राज्यकर विभाग व्यापारियों का पंजीयन को लेकर अभियान चला रहा है। इस अभियान में व्यापारी संगठनों की मदद ली जा रही है।

सभी के साथ संवाद कर पंजीयन का लाभ बताया जा रहा है। अभियान के तहत लोहा मंडी, इंदिरापुरम, घंटाघर व अन्य स्थानों पर जागरूकता शिविर लगाए गए।

अधिकारियों द्वारा व्यापारियों को पंजीयन के लाभ की जानकारी दी गई।

भाकियू अनंत के प्रदेश उपाध्यक्ष का कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

✷ एनसीआर टुडे. बढ़ापुर ✷

भारतीय किसान यूनियन अनंत के कैंप कार्यालय पहुंचे प्रदेश उपाध्यक्ष जहीर आलम अंसारी का स्थानीय कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकरियों ने किया ज़ोरदार स्वागत।

संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने को बनाई रणनीति भाकियू अनंत पदाधिकारी रात्रि विश्राम कार्यक्रम को मजबूती देने की दी हिदायत।

भारतीय किसान यूनियन अनंत के प्रदेश उपाध्यक्ष जहीर आलम अंसारी बढ़ापुर मोहल्ला लाल सराय स्थित कैंप कार्यालय पहुंचे और कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकरियों से वार्ता कर संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा की।

समीक्षा बैठक की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष बढ़ापुर नफीस अंसारी व संचालन काज़ी युनुस ने किया।

प्रदेश उपाध्यक्ष जहीर आलम अंसारी ने नगर अध्यक्ष बढ़ापुर को निर्देशित किया कि जल्द से जल्द सभी प्रकोष्ठों के नगर अध्यक्षों की बैठक कर उनकी कमेटियों की समीक्षा करें।

मासिक बैठक कर कार्यकर्ताओं की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों से मुलाकात कर समयानुसार समस्याओं का निश्तारण कराना सुनिश्चित करें।

उन्होंने कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों से भाकियू अनंत का 'गांव में रात्रि विश्राम' कार्यक्रम के दौरान भाकियू अनंत के तहसील, ब्लॉक, ज़िला श्तर के पदाधिकारियों से कहा गया है कि पदाधिकारी अपने कार्यकर्ताओं के साथ एक माह के दौरान एक बार एक गांव में रात्रि विश्राम कर ग्रामीण किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए चौपाल लगाकर समस्याएं जानकर समाधान कराने एवं संगठन को मजबूत करने की दिशा में कार्य करें।

उन्होंने समीक्षा बैठक ने स्पष्ट कहा कि सक्रिय पदाधिकारियों को पदोन्नति की जाएगी जबकि निष्क्रिय जज पदाधिकारियों को पदमुक्त किया जाएगा।

इस दौरान शकील मालिक, रवींद्र कुमार, विकास कुमार, राहत, अतीक अहमद, राशिद मंसूरी, शेख लियाकत हुसैन आदि मौजूद रहे।

LRS कॉलेज में सम्मान सम्मेलन कार्यक्रम आयोजित

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

नगर के एलआरएस कॉलेज में LL.B एवं B.T.C को छात्रों सम्मानित किया गया। कार्यक्रम मुख्य अतिथि -बार एसोसिएशन बिजनौर अध्यक्ष श्री यशपाल सिंह रहे।

मुख्य अतिथि ने मां सरस्वती पूजा अर्चना करके कार्यक्रम को आरंभ किया। वही LRS कॉलेज के डायरेक्टर ने मुख्य अतिथि का स्वागत शोल उठाकर किया।

वहीं मुख्य अतिथि ने कहा कि आज जो एलआरएस कॉलेज में यह कार्यक्रम किया है। यह बहुत ही सम्मान पूर्वक कार्य है।

इससे नवयुवक छात्राओं को एक प्रेरणा मिलती है। जो छात्र एलआरएस कॉलेज से डिग्री हासिल करके नौकरी या अन्य किसी सेवा में कॉलेज का नाम रोशन कर रहे हैं।

उन्हें कॉलेज के फिर से वही पुराने दिन याद आ गए हैं। यह कार्यक्रम एक प्रेरणादायक कार्यक्रम है। वही एलआरएस कॉलेज के छात्राओं ने सुंदर-सुंदर नृत्य और

नाटक कर सभी मुख्य अतिथियों का मनमोहित कर लिया। इसी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। एजीडीसी गौरव अग्रवाल, सचिव विशाल अग्रवाल, बार एसोसिएशन नगीना अध्यक्ष अशोक त्यागी, टीकम सिंह एड्वोकेट, एमएम इंटर कॉलेज प्रिंसिपल शाहिद अली, एलएलबी के लेक्चर सुनील चौहान, शिक्षा विभाग के लेक्चर अमित राणा प्रबंधक-राकेश अग्रवाल, डायरेक्टर- संजीव अग्रवाल आदि लोग सम्मिलित रहे। कार्यक्रम का सुंदर संचालन हानिया रईस एवं अरीबा ने किया।

एनसीसी कैंप में 600 कैडेट को प्रशिक्षण दिया जाएगा

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

गुलधर स्थित आरकेजीआईटी कॉलेज में 37 यूपी बटालियन गाजियाबाद के सहयोग से 10 दिवसीय एनसीसी प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया। कैंप का समापन 19 मई को होगा। कर्नल संदीप पांडे एवं कर्नल उमेश मारवाह के संरक्षण में आयोजित कैंप में विभिन्न स्कूल-कॉलेजों के 600 कैडेट्स भाग ले रहे हैं। उमेश मारवाह ने बताया कि हाल ही में बॉर्डर पर चल रही गतविधियों को देखते हुए कैंप का उद्देश्य छात्रों में ड्रिल, अग्निशमन, प्राथमिक उपचार, यातायात नियंत्रण, सिविल डिफेंस, मिसाइल सुरक्षा तथा ड्रोन रोधी तकनीकों में प्रशिक्षित करने के साथ साथ अनुशासन, राष्ट्रभक्ति और नेतृत्व कौशल का विकास करना है।

टेनिस कोर्ट का बनाने का काम अटकने से दिक्कत

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

महामाया स्पोर्ट्स स्टेडियम में लॉन टेनिस के लिए सिंथेटिक कोर्ट बनाने का कार्य शुरू नहीं हो सका है। इससे खिलाड़ियों को दिक्कत हो रही है। महामाया स्टेडियम में विभिन्न खेलों का प्रशिक्षण दिया जाता है।

अभी शहर में सरकारी श्तर पर लॉन टेनिस के अभ्यास की सुविधा नहीं है। इसे देखते हुए जिला खेल विभाग ने बीते वर्ष महामाया स्टेडियम में लॉन टेनिस के दो सिंथेटिक कोर्ट बनाने की योजना तैयार की थी। इसका प्रश्ताव शासन के पास भेजा था,जिसे मंजूरी मिल गई थी। इसके बाद सिंथेटिक कोर्ट बनाने का कार्य अप्रैल से शुरू होना था, जो शुरू नहीं हो पाया।

इससे खिलाड़ियों का स्टेडियम में अभ्यास का इंतजार बढ़ रहा है। जिला उप खेल क्रीड़ाधिकारी पूनम बिश्नोई ने बताया कि संस्था के साथ बैठक हुई है। जल्द कार्य शुरू होगा। साथ ही, बैडमिंटन हॉल और स्वीमिंग पूल के जीर्णोद्धार किया जाएगा। इसके बाद स्थानीय खिलाड़ियों को काफी राहत मिलेगी। उन्हें सरकारी स्टेडियम में लॉन टेनिस के अभ्यास से जुड़ी बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

बीके इंटरनेशनल स्कूल में दंत चिकित्सा कैंप आयोजित

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

नूरपुर रोड स्थित वीके इंटरनेशनल स्कूल में दंत चिकित्सा कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ.पूर्णिमा सोरेन तथा डॉ.अनुराग सोरेन ने कक्षा 9 से कक्षा 12वीं के छात्र छात्राओं के दांतों का परीक्षण किया। चिकित्सकों ने छात्र छात्राओं को दांतों की साफ सफाई तथा सुरक्षा के बारे में जानकारी दी। समाना नकवी, दीपक शर्मा, आशु सैनी, आशीष कुमार, रूपम त्रिवेदी, अंजू चौहान, पलक चौधरी, रुचि चौहान, अनामिका नविता चौहान, शिल्पी चिकारा आदि रहे। वहीं स्कूल में मातृ दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रश्तुत किए।

एसडीएम रितु रानी की अध्यक्षता में समाधान दिवस आयोजित

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

उपजिलाधिकारी रीतू रानी की अध्यक्षता में थाने में समाधान दिवस का आयोजन हुआ। जिसमें पांच शिकायतें आई। शिकायतों के समाधान के लिए पुलिस व राजस्व की टीम को भेजा गया। वहीं, उपजिलाधिकारी ने बिना सूचना अनुपस्थित रहने पर एक लेखपाल पर कार्रवाई की। उन्होंने अनुपस्थित लेखपाल से स्पष्टीकरण मांगने तथा एक दिन का वेतन काटने का निर्देश दिए। नायब तहसीलदार विजय कुमार, थाना प्रभारी धीरज नागर, राजस्व निरीक्षक, लेखपाल आदि मौजूद रहे।

धूमधाम से मनाई गई महाराणा प्रताप की 485 वीं जयंती

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

गांव टपरौला में श्री राधा कृष्ण प्रचार समिति अध्यक्ष विनोद चौहान के आवास पर आयोजित कार्यक्रम में महाराणा प्रताप के चित्र पर पुष्प अर्पण कर वीर महाराणा प्रताप की 485वी जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम में महाराणा प्रताप के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनकी वीर गाथा का गुणगान किया गया और उनके बताए गए आदर्शो पर चलने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में विनोद चौहान, त्रिलोक चंद, केशव कुमार, नवीन कुमार, सचिन कुमार, हिमांशु चौहान, आशु चौहान, संचित चौहान, लोकेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

महिलाओं के सम्मान में ऑक्सफोर्ड के हाल में आयोजित हुआ मातृ दिवस समारोह

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

ऑक्सफोर्ड पब्लिक सीनियर सेकेण्डरी स्कूल के जूनियर विंग के कक्षा नर्सरी से कक्षा दूसरी तक के छात्र-छात्राओं की माताओं के सम्मान में नहटौर डिग्री कॉलेज के स्वामी विवेकानन्द हॉल में आयोजित मातृ- दिवस समारोह का आयोजन किया।

आयोजित कार्यक्रम के अन्तर्गत सर्वप्रथम मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि धामपुर नगर पालिका की पूर्व चैयरमेन एवं विद्यालय की प्रबंध निदेशिका लीना सिंघल ने कहा कि धरती पर माँ भगवान का दूसरा रूप होती हैं जो हमें हर समय ईश्वर के होने का अहसास कराती हैं।

लीना सिंघल ने कहा कि पूरी दुनिया में हर धर्म में माँ का स्थान सर्वोपरि माना गया है और कहा जाता है कि माँ के चरणों में स्वर्ग होता है। इस अवसर पर छोटे छोटे बच्चो ने कैट वॉक एवं गीत और नृत्य प्रश्तुत किए व बच्चो ने ऑकेस्ट्रा बैंड पर विभिन्न गीत सुनाए साथ ही उपस्थित माताओं के लिए प्रश्न-उत्तर एवं खेल सत्र

भी आयोजित किया गया।

जिसमें जूनियर विंग कॉडिनेटर तब्बसुम जैदी ने प्रश्न पूछे। अन्त में कार्यक्रम की वैस्ट मदर अजरा बानो को बुके देकर व क्राउन पहनाकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर अध्यापिका जूनियर विंग कॉर्डिनेटर तब्बसुम जैंदी मोनिका शर्मा, निशात मिर्जा, नाजिया सलमानी, प्रीति रानी, उजमा, नेहा वर्मा, अंजुम परवीन, समीक्षा त्यागी, मुस्कान अग्रवाल, विनीता, शिवानी रानी, रहे। कार्यक्रम का संचालन अर्चना शर्मा नें किया। आरती गौड़, वर्षा चौहान, सचिन कुमार आदि उपस्थित रहे।

संपादकीय

नास्तिकता का प्रतीक है आतंकवाद

भारत ने ऑपरेशन सिन्दूर के तहत आतंक के गढ़ में आतंक को मार गिराया है। ऑपरेशन सिंदूर से कई आतकवादियों का सफाया हुआ है। पाक ने हिन्दुश्तानियों का सुहाग बिगाड़ा तो भारत ने आतंक का संसार ही उखाड़ दिया है। पाकिश्तान, हिन्दुश्तानियों से भविष्य में भय खाएगा और कोई भी घटना को अंजाम देने से पहले अपनी मौत को दावत देगा। पकिश्तान आतंकिश्तान है। पकिश्तान की सेना और आतंकवादी दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। ये दोनों इस युद्ध में बराबर की सहभागिता निभा रहे हैं। पाकिश्तान समर्थित आतंकवादी वहां की सेना का ही एक हिस्सा है जिसे आई एस आई आदि संगठन के नाम से जाना जाता है। पाकिश्तान का नाम आतंकिश्तान होना चाहिए। अब समय आ गया है की पूरे पकिश्तान को ध्वशत कर विश्व में अमन और चैन स्थापित किया जाए। ऑपरेशन सिंदूर में कई आतंकवादी संगठन जैसे जैश, लश्कर, के आतंकवादियों को मार गिराया गया है।

इन सभी मारे गए आतंकवादियों को पकिश्तान की सेना ने गॉर्ड ऑफ ऑनर दिया। इससे विश्व में सन्देश जाता है कि पाकिश्तान की पूरी सेना ही आतंकवादी की भूमिका में है। विश्व में स्थायी भविष्य की शान्ति के लिए पाकिश्तान को नेश्तानाबूत ही करना पड़ेगा। ऑपरेशन सिन्दूर कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा 22 अप्रैल 2025 को मारे गए 26 भारतीयों का बदला है। हिन्दुश्तान ने ऑपरेशन सिंदूर से विश्व को आतंक के खिलाफ चेतावनी दे दी है। ऑपरेशन सिंदूर के द्वारा पाकिश्तान की लगभग सभी एयरबेस ध्वशत हो चुकी हैं। हिन्दुश्तान आतंक की कमर तोड़ रहा है न की नागरिकों की। भारत ने पाकिश्तान और पाकिश्तान अधिकृत कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया।

आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन सिन्दूर ने पाकिश्तान के होश उड़ा दिए हैं। अब कंगाली की दहलीज पर पंहुच चुके पाकिश्तान को अपने रक्षा बजट को 18 फीसदी तक बढ़ाना पड़ा है। पहले से महंगाई की मार झेल रहे पाकिश्तान को भविष्य में बर्बादी का मंजर देखना पड़ेगा। विशेषज्ञों के मुताबिक कोई बड़ी बात नहीं कि हम जल्द ही पाकिश्तान को टूटते हुए भी देखें। आतंक के आकाओं को समझ लेना चाहिए की अब उनका स्थान पृथ्वी पर न होकर जह्न्नुम है जहां उनको उनके अनुसार हूर की परियां मिलेंगी।

हिन्दुश्तान की सशक्त महिलाएं विंग कमांडर व्योमिका सिंह और कर्नल सोफिया कुरैशी ने ऑपरेशन सिंदूर को सफल बनाकर नारीशक्ति की मिसाल को कायम किया है। इनके जज्बे को मेरा सलाम है। आज कुंठित देश आतंकवाद का सहारा लेता है या गलत नीतियों और सिद्धातों का सहारा लेता है। इसलिए जो देश कभी एक हुआ करते थे वो आज एक दूसरे के दुश्मन बने हुए हैं। आतंकवाद एक विशेष धर्म में ही क्यों पनपा? ये बड़ा प्रश्न है। लोग कहते हैं कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, पर मेरा मानना है की आतंकवाद है और आतंक के आकाओं का धर्म मुस्लिम है। इन्हे मुस्लिम आतंकी कहने में कोई हर्ज़ नहीं है। ये सारेआतंकी पाकिश्तान जैसे मुस्लिम देश में ही क्यों पल रहे हैं?

ये आतंकी नमाज भी पढ़ते हैं, मस्जिद भी जाते हैं और मुस्लिम देश में शरण भी लेते हैं तो ये मुस्लिम ही तो हुए। इन आतंक के आकाओं की कमर तोड़ दी जाएगी और भविष्य में ये अपनी जड़ को कमजोर होते देखेंगे। विश्व के सभी मुस्लिम समुदाय के लोगों को आतंकियों को सबक सिखाना पड़ेगा वरना ये आतंकी मुस्लिम, पूरे मुस्लिम समुदाय को बर्बाद कर देंगे। ये आतंकी, मुस्लिम समुदाय के लिए दीमक का काम कर रहे हैं। यह कहने में अतिश्योक्ति नहीं होगी कि आतंकवाद को बढ़ावा देने वाला मुस्लिम देश पाकिश्तान खुद एक दिन अपनी बर्बादी की कहानी लिखेगा।

वहीँ दूसरी तरफ देखा जाए तो एक अपना हिन्दुश्तान का मुसलमान है जो राष्ट्र प्रथम और राष्ट्र सर्वोपरि की अभिधारणा पर चलता है। ये भारत के मुस्लिम क्या मुस्लिम नहीं हैं जिनमे प्रेम और सद्भाव कूट कूट के भरा है। कहने का तात्पर्य यह है की कोई देश चाहे तो वो अपने नागरिको को आतंकवादी बना दे या अपने नागरिकों को देवतुल्य बना दे। सारा खेल नागरिकता और वहां की संस्कृति का है। जिस देश की संस्कृति और सभ्यता जैसी होती है वैसे ही वहां का नागरिक भी बन जाता है। कहने का तात्पर्य धर्म से बढ़कर पहले राष्ट्र है। स्वतः के साथ प्रतिस्पर्धा स्व को निर्मित करती है, साथ ही साथ समाज और राष्ट्र को मजबूत करती है। व्यक्ति, समाज और राष्ट्र सभी की प्रतिस्पर्धा स्वयं से होनी चाहिए। प्रकृति, दूसरों से प्रतिस्पर्धा की अनुमति नहीं देती है। प्रकृति हमेशा स्व से जुड़ने की ओर प्रेरित करती है।

स्व से जुड़ना ही असली प्रतिस्पर्धा है। एक सफल राष्ट्र की प्रतिस्पर्धा स्वतः से होती है। जैसे बेरोजगारी, महंगाई, खाद्यान, मेडिकल, शिक्षा आदि को लेकर प्रतिस्पर्धा। कहने का तात्पर्य एक सफल राष्ट्र की प्रतिस्पर्धा स्वयं के दृष्टिकोण से होती है जो भारत में है। युद्ध आतंक के सफाए के लिए जरुरी है। आतंक का सफाया विश्व में शांति ले कर आएगा। शांति, विकास का कारण बनती है। आतंक के खिलाफ युद्ध वैश्विक शांति का कारक है। कहने का तात्पर्य यह है कि पड़ोसी देश पाकिश्तान से जब आतंक का सफया होगा तभी शांति कायम होगी। और वही शांति पड़ोसी मुल्क से मित्रता का कारण बनेगी। आतंक के खिलाफ युद्ध आशितकता को प्रकट करती है। आतंकवाद नाशितकता को प्रकट करती है। आशितकता स्वर्ग को प्रकट करती है। नाशितकता नरक को प्रकट करती है। आशितकता स्वर्ग के द्वार को खोलती है। नाशितकता नरक के द्वार को खोलता है। अतएव आतंकवाद किसी नरक से कम नहीं है। अतएव हम कह सकते हैं कि आतंकवाद, नाशितकता का प्रतीक है।

पाकिश्तान आतंकवाद की आड़ में अपनी विजय पताका लहराना चाहता है। जिस किसी देश ने आतंकवाद को अपने देश में दखलंदाजी करने की सह दी वह देश बर्बाद हो गया। भारत जैसा देश जो आतंकवाद के खिलाफ है वो महान है। आतंकवाद विश्व के भविष्य के लिए चेतावनी है। विश्व के सभी देशों को आतंकवाद के खिलाफ एक होकर लड़ने की जरुरत है। सभी देशों को मिलकर विश्व के स्थाई भविष्य के लिए काम करना चाहिए। भारत पाकिश्तान का यह युद्ध आतंकवाद पर कड़ा प्रहार साबित होगा। अतएव हम कह सकते हैं कि ऑपरेशन सिन्दूर से आतंकवाद की कमर टूटी है और आतंकियों का सफाया हुआ है।

झूठ फैलाकर उन्माद को हवा देता 'गोदी मीडिया'

तनवीर जाफ़री

भारत और पाकिस्तान में बढ़ते तनाव के बीच दोनों देशों में 'तत्काल और पूर्ण संघर्षविराम' अर्थात फ़ायरिंग और सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बन गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से 'भारत और पाकिस्तान के बीच तत्काल और पूर्ण संघर्षविराम पर सहमति बनने' की जानकारी दी गई थी।

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि 'भारत और पाकिस्तान पूर्ण और तत्काल सीज़फ़ायर पर सहमति जताई है।''

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में कहा, 'अमेरिका की मध्यस्थता में हुई एक लंबी बातचीत के बाद, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत और पाकिस्तान ने पूर्ण और तत्काल सीजफ़ायर पर सहमति जताई है।''

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि भारत और पाकिस्तान व्यापक मुद्दों पर बातचीत शुरू करने पर राज़ी हो गए हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि 'हम शांति का मार्ग चुनने में प्रधानमंत्री मोदी और शरीफ़ की बुद्धिमत्ता, विवेक और कूटनीति की सराहना करते हैं।''

यह युद्ध विराम ऐसे समय हुआ है जबकि भारत पाकिस्तान के मध्य तनाव बढ़ता ही जा रहा थे और दोनों और से एक दुसरे पर हमले व जवाबी हमलों के दावे किये जाने लगे थे।

बहरहाल बुद्ध के देश से युद्ध विराम पर सहमति तो जता दी गयी परन्तु इसमें भी कोई शक नहीं कि पहलगाम नरसंहार के बाद भारत ने जिसतरह पाक व पाक अधिकृत कश्मीर स्थित आतंक के गढ़ पर आक्रमण किया उससे न केवल पाकिस्तान बल्कि पूरी दुनिया को सन्देश चला गया है कि भारत आतंकवाद के विरुद्ध किसी पंचायत में फ़रियाद लेकर जाने वाला नहीं बल्कि स्वयं आतंक का मुंह तोड़ जवाब देने वाला देश है।

परन्तु पहलगाम आतंकी हमले से लेकर ऑप्रेशन संदूर तक व उसके बाद युद्ध विराम की घोषणा होने तक भारतीय मीडिया ने जिस ग़ैर ज़म्मिदारी का प्रदर्शन किया है उसकी जितनी भर्तस्ना की जाये वह कम है। ग़ैर ज़म्मिदाराना प्रसारण के लिये इसी भारतीय मीडिया को देश की उच्च न्यायलय व सर्वोच्च न्यायलय द्वारा अनेक बार झिड़कियां सुननी पड़ीं हैं। कई बार ऐसे कई अनियंत्रित व भड़काऊ मीडिया चैनल्स को मुआफ़ी भी मांगनी पड़ चुकी है, अनेक बार पुलिस व प्रशासन की ओर से ऐसी बेबुनियाद व झूठी ख़बरों का खंडन किया जा चुका है।

हद तो यह है कि इसी तरह के बदनाम शुदा टी वी चैनल्स के रिपोर्टर्स को उनके झूठ फैलाने के चलते ही कई बार भीड़ के आक्रोश का सामना करना पड़ चुका है। ख़ुद उन्हें अपने ही चैनल में अपने ही द्वारा बुलाये गये मेहमानों से ही लाईव कार्यक्रमों में भरपूर बेइज़्ज़ती उठानी पड़ चुकी है। कई कर्तव्यनिष्ठ व ईमानदार पत्रकार ऐसे चैनल्स को छोड़ अपने यू ट्यूब चैनल चलाकर अपनी लोकप्रियता व वाश्तविक पत्रकारिता का प्रमाण दे रहे हैं।

इन सब का नतीजा यह है कि ऐसे सभी 'गोदी चैनल्स ' की टी आर पी काफ़ी गिर चुकी है। परन्तु इतना अपमान व ज़लालत सहने के बावजूद ऐसे चैनल्स व उनके पत्रकारों में कोई परिवर्तन आना तो दूर की बात उल्टे उनका शतर और भी गिरता ही जा रहा है। यहाँ तक कि भारत पाक के बीच चल रहे तनावपूर्ण माहौल के बीच भी सरकार को ऐसे चैनल्स को नियंत्रित रहने की सलाह देनी पड़ी।

पाक प्रायोजित पहलगाम आतंकी हमले व जवाब में भारतीय सेना द्वारा किये गये ऑपरेशन सिंदूर के बाद, भारत सरकार के सूचना मंत्रालय ने मीडिया को ज़म्मिदाराना व संवेदनशील रिपोर्टिंग करने की हिदायत भी जारी की थी। मीडिया को सलाह दी गयी थी कि वह संयमित रहकर ज़म्मिदाराना रिपोर्टिंग करे

ताकि अफ़वाहें और ग़लत सूचनाएं न फैलें।

रक्षा मंत्रालय ने भी 1 मई 2025 को मीडिया से फ़र्ज़ी व भ्रामक ख़बरों से दूर रहने की सलाह दी थी। क्योंकि ऐसी कवरेज दुश्मन को फ़ायदा पहुंचा सकती है और सुरक्षाकर्मियों के लिए ख़तरा पैदा कर सकती है।

ग़ौरतलब है कि भारतीय सेना की प्रवक्ता के रूप में कर्नल सोफ़ियि क़ुरैशी द्वारा ऑपरेशन सिन्दूर के बारे में यह बताया गया था कि 'ऑपरेशन सिन्दूर पहलगाम में हुए आतंकी हमले के पीड़ितों और उनके परिवारों को न्याय दिलाने के लिए शुरू किया गया था।

ऑप्रेशन के लक्ष्य के विषय में बताते हुये उन्होंने कहा था कि भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान-अधिकृत कश्मी में 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया, जिनमें 4 पाकिस्तान और 5 PoK में थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी निर्दोष नागरिक को निशाना नहीं बनाया गया।

ऑपरेशन का उद्देश्य आतंकवादी ढांचे को नष्ट करना और पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश देना था कि भारत आतंकवाद को सहन नहीं कर सकता। भारतीय सेना की कर्नल सोफ़ियि क़ुरैशी को प्रवक्ता के रूप में पेशकरने के साथ साथ यह भी कहा गया कि पूरा देश, पाकिस्तान के विरुद्ध भारत द्वारा उठाये जा रहे हर फ़ैसले के साथ एकजुट है।

मगर इस अति संवेदनशील घड़ी में भी भारतीय मीडिया सरकारी निर्देशों की गोया धज्जियाँ उड़ाने पर आमादा नज़र आया। गोदी मीडिया अपने चैनल्स पर भरपूर अफ़वाहें, ग़लत सूचनाएं और फ़र्ज़ी व भ्रामक ख़बरें प्रसारित करता रहा।

युद्धोन्माद भड़काने के लिये इनके ऐंकर्स टी वी पर बन्दर की तरह उछलते व अभद्र शब्दावलियों का प्रयोग करते भी देखे गये। तनाव के दौरान एक ओर भारतीय सेना अपने रक्षात्मक पक्षों को सामने रख रही थी तो भारत का एक चैनल दावा कर रहा था कि पाकिस्तान के पांच शहर तबाह हो गए जबकि एक दूसरा चैनल पाकिस्तान के 25 शहर तबाह बता रहा था। एक ऐंकर ने उछल उछल कर बताया कि पाकिस्तान के पांच शहर नक़्शे से मिट गये।

कोई बता रहा है कि पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद पर क़ब्ज़ा हो गया, कोई बता रहा है कि कराची पर क़ब्ज़ा हो गया। यूक्रेन-रूस युद्ध के वीडिओ भारत-पाक के बताकर चला दिये गये। किसी ने शाहबाज़ शरीफ़ को बंकर में छुपा हुआ देख लिया तो कोई बता रहा था कि वह भागते हुये दिखाई दिये।

किसी चैनल ने लाहौर इस्लामाबाद और सियालकोट पर आईएनएस विक्रांत द्वारा ज़बरदश्त हमले और कराची बंदरगाह के तबाह होने की ख़बर चला दी। तो किसी ने ब्रेकिंग न्यूज़ दी कि -'सुबह-सुबह पाकिस्तान के 6 शहर पर टूट पड़ी भारतीय सेना'। आश्चर्य की बात तो यह कि यह सभी 'जानकारियां' गोदी मीडिया के पास ही थीं भारतीय सेना या सरकार के पास नहीं।

मीडिया द्वारा देश की एकजुटता को बढ़ावा देने के बजाये नफ़रत परोसने का एक उदाहरण जम्मू-कश्मीर की एक ख़बर के प्रसारण में भी देखने को मिला। यहाँ पुंछ में एक 46 वर्षीय क़ारी मोहम्मद इक़बाल, जोकि स्थानीय मदरसा ज़िया -उल-उलूम में शिक्षक थे तथा एक स्थानीय सम्मानित व धार्मिक व्यक्ति थे, की पाकिस्तानी की ओर से सीमा पार से हुई गोलाबारी में मौत हो गयी।

वे आतंकवाद विरोधी तथा राष्ट्रवादी व्यक्ति थे। पुलिस ने स्वयं उनके व्यक्तित्व की प्रशंसा की है। परन्तु इन दलाल चैनल्स द्वारा यह प्रसारित किया गया कि "इक़बाल एक आतंकवादी था" और उसे भारतीय सेना ने मार गिराया। ज़रा सोचिये ऐसी झूठ बेबुनियाद भ्रामक व ख़बर फैलाकर मीडिया क्या सन्देश देना चाहता है? इस ख़बर का कश्मीर के लोगों पर क्या प्रभाव पड़ सकता है? क्या वजह है कि इतने संवेदनशील माहौल में भी गोदी 'मीडिया' द्वारा झूठ व अफ़वाह फैलाकर उन्माद को हवा दी गयी?

स्वर्णिम काल के सुखद परिणाम की दस्तक

डा. रवीन्द्र अरजरिया

पाकिस्तान को ढाल बनाकर चीन ने अपनी चौधराहट को बढाने में एक बार फिर सफलता हासिल कर ली है। भारत की जवाबी कार्यवाही से थर्राये पाकिस्तान ने पर्दे के पीछे से चीनी मंशा के तहत अमेरिका को माध्यम बनाकर सीजफायर के प्रयास तेज किये।

दुनिया पर अपनी धाक जमाने का अमेरिका को एक और मौका दिखा और उसने पहले तो आतंकी देश को अपने प्रभाव का प्रयोग करके इंटरनेशनल मानिटरी फंड से कर्जे की नई किश्त जारी करवा दी और फिर भारत पर दबाव बनाकर सीज फायर की स्थिति का निर्माण किया। सीज फायर में दौनों देशों की उच्चतमश्तर की चर्चा के बिना ही घोषणायें की जाने लगीं परन्तु जैसे ही अमेरिका को इस प्रयास हेतु पाकिस्तान ने धन्यवाद ज्ञापित किया वैसे ही पाक सेना ने पुनः भारतीय सीमा के अन्दर घुसकर आक्रमण करना शुरू कर दिया।

ताबडतोड हमलों के मध्य भारत ने भी कडी जवाबी कार्यवाही की। इसी मध्य चीन ने पाकिस्तान के साथ खुलकर खडे होने की घोषणा कर दी।

अमेरिका को चीन ने एक बार फिर मात दे दी। षडयंत्रों की विसात पर खेले जा रहे अमेरिका और चीन के शतरंजी खेल में पाकिस्तान के पौ-बारह हो रहे हैं। आतंक को मुख्य उद्योग के रूप में स्वीकारने वाले जिन्ना के देश ने शुरू से ही अपने विश्वासघाती कदमों से नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं।

मालूम हो कि मक्कार पडोसी ने चोरी-छिपे अपनी विश्वद्रोही नीतियों के अनुपालन में दोगले देश अमेरिका और चीन जैसे प्रतिव्दन्दियों का सहयोग लेकर परमाणु शक्ति प्राप्त कर ली थी और इसी की दम पर वह समूचे संसार को निरंतर ब्लैकमेल रहा है।

उसने परमाणु धमकी का प्रयोग, अमेरिका का प्रभाव और असहाय की स्थित का दिखावा करके अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में स्थापित अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से कर्जे की एक और किश्त प्राप्त कर ली। विचारणीय बिन्दु यह है कि एक आतंकी राष्ट्र को ऐसे समय में बेलआउट देने के पीछे आईएमएफ की आखिर क्या मजबूरी थी, जो युद्ध जैसे हालातों के मध्य संसार से संकलित पैसा मानवता के विरुध्द उपयोग हेतु दिया गया।

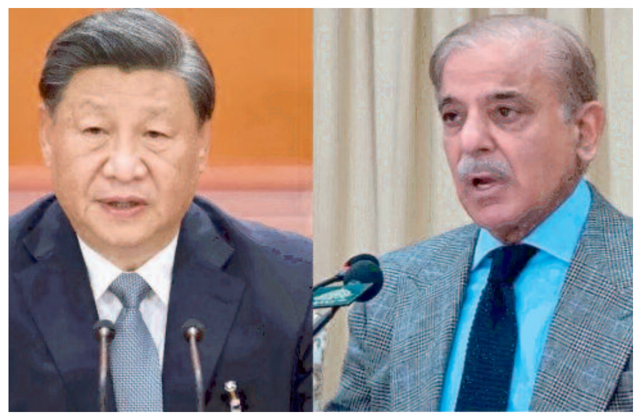

उल्लेखनीय है कि सन 1989 से लेकर अभी तक के 35 वर्षों में इस अन्तर्राष्ट्रीय संस्था ने 28 बार पाकिस्तान को पैसा दिया है। आश्चर्य है कि आतंकी देश को जलवायु परिवर्तन से निपटने हेतु 1.3 बिलियन डालर की क्रेडिट लाइन देने पर भी विचार किया जा रहा है। समूची दुनिया जानती है कि पाकिस्तान को दिये जाने वाले पैसे का खुला उपयोग कट्टरपंथी आतंकवाद से गजवा-ए-दुनिया के लक्ष्य भेदन हेतु किया जा रहा है।

संसार भर में फैले हजारों आतंकवादी संगठनों को पाकिस्तान का न केवल खुला समर्थन है बल्कि पूरा सहयोग भी रहता है। कहा तो यहां तक जा रहा है कि आईएसआईएस, हिजबुल्लाह, हूती जैसे अनेक संगठनों को पाकिस्तान ने गुपचुप तरीके से परमाणु हथियार तक मुहैया करा दिये हैं जिस कारण वे अमेरिका जैसे देशों के जहाजों तक पर दबंगी से आक्रमण कर रहे हैं।

वर्तमान परिदृश्य में भारत का विजय रथ निरंतर आगे बढता जा रहा है। चीनी हथियार निरंतर ध्वशत हो रहे हैं। पाकिस्तान के प्रयास धराशाही हो रहे हैं। सीमा पर प्रयोग में लाये जाने वाले अमेरिका सैन्य साजो सामान भी भारत की साहसी सेना व्दारा नश्तनाबूत किये जा रहे हैं। ड्रैगन का एयर डिफैन्स सिस्टम और मिसाइलों के धूल में मिलाने के साथ साथ अमेरिका के एफ 16 जैसे लडाकू विमानों को अश्तित्वहीन करके भारत ने अपनी क्षमता का परचम फहरा दिया है। ऐसे में अमेरिका और चीन के हथियारों की फजीहत होने के बाद उसके अनेक शस्त्र क्रेताओं का मन बदलने लगा है।

इन हथियारों के सौदागरों की छवि धूमिल हो रही है। वहीं अर्थ-व्यवस्था के क्षेत्र में ब्रिटेन जैसे देश को पछाडकर भारत ने तीसरी पायदान पर कब्जा कर लिया है जिससे ब्रिटेन की विरासत को शर्मनाक चोट लगी है। समूचे परिदृश्य के आधार पर यह कहना अतिश्योक्ति न होगा कि विश्वासघाती अमेरिका, धूर्त चीन, मक्कार ब्रिटेन जैसे देश आज भारत के बढते विश्वास, ऊर्ध्वमुखी विकास और विद्वान नेतृत्व की क्षमताओं से न केवल आहत है बल्कि अपने-अपने श्तर पर षडयंत्र करने में जुटे हैं।

ऐसे में भारत को निशाना बनाया जाना स्वाभाविक ही है। ज्ञातव्य है कि पूर्व में अमेरिका ने बंगला देश में सत्ता परिवर्तन कराके हिन्दुओं और भारत विरोधी वातावरण निर्मित किया ताकि भारत-बंगला देश युध्द को धरातल पर उतारा जा सके। ऐसा ही प्रयास चीन ने भी मालदीप, श्रीलंका और नेपाल की धरती का उपयोग करके किया था। सभी प्रयासों के असफल होने के बाद भारत को सम्प्रदाय की आग से जलाने हेतु नापाक धरती का मास्टर स्टोक के रूप में पुनः उपयोग हुआ। पहलगाम की घटना से समूचा देश आन्दोलित हो उठा।

शत्रुओं की चाल थी कि हिन्दु-मुस्लिम के इस कार्ड से देश के अन्दर आन्तरिक युध्द के हालात पैदा हो जायेंगे और सीमापार से सेना को आम मुसलमान के वेश में न केवल घुसेडा जायेगा बल्कि भारत के अंदर पहले से मौजूद भितरघातियों, घुसपैठियों और अघोषित शरणार्थियों सहित भूमिगत एजेन्टों को सक्रिय करके भीड की शक्ल में खडा करके हिन्दुओं का कत्लेआम करवा दिया जायेगा। मगर यह मंसूबे पूरे नहीं हो सके।

मुस्लिम देशों से भी बेहतर हालातों में विलासतापूर्ण जीवन जीने वाले भारतीय मुसलमानों ने मोदी के पारदर्शी नेतृत्व को खुलकर समर्थन दिया। विपक्ष ने भी एक स्वर में साथ खडे होने की घोषणा की। समूचा देश पहलगाम का बदला लेने के लिए आक्रोशित हो उठा। भारत की प्रतिशोधात्मक कार्यवाही को अवसर मानकर चीन के पिट्ठू भिखारी पाकिस्तान ने अपनी दोगली नीतियों के तहत अमेरिका पर डोरे डाले।

उसे दुनिया का सबसे ताकतवर देश मानने का दिखावा करके सहयोग की याचना की। सिठिया चुके ट्रंप ने आतंकी देश के ड्रामे को वाशितवकता मानकर उसे न केवल आईएमएफ से कर्जे की किश्त दिलवायी बल्कि भारत पर दबाव बनाकर सीज फायर की घोषणा भी करवा दी। यह सब चीन की चालबजियां थी जो पाकिस्तान के सिर चढकर बोल रहीं थीं। ज्यों ही मुट्ठी में पैसा आया त्यों ही चीन के रंग में रंगे आतंकी देश ने अपना असली रुप दिखाना शुरू कर दिया।

अमेरिका की सत्ता सम्हालते ही ट्रंप ने रूस-यूक्रेन और इजरायल-गाजा जैसे युद्धों को समाप्त करवाने की घोषणा की थी जिसमें वह पूरी तरह असफल रहे। यही हाल भारत-पाकिस्तान के मुद्दे पर भी हुआ। चीन की चालाकियों के तले बूढे ट्रंप की अकल जमती जा रही है जबकि ड्रैगन ने एक तीर में तीन निशान साथे हैं।

दुनिया के सामने अमेरिका की औकात दिखा दी, पाकिस्तान की विश्वसनीयता के चीथडे उडा दिये और भारत की अर्थ व्यवस्था को सीधी चोट पहुंचाई। ऐसे में चीन छोडकर भारत आने की घोषणा कर चुके अन्तर्राष्ट्रीय औद्योगिक घराने अपने निर्णय पर पुनः विचार करने के लिए बाध्य हो गये हैं। पाकिस्तान को युध्द की आग में झौंकने के बाद चीन उसे खुलकर सैन्य सहयोग तो करेगा परन्तु वह अपने सैनिकों जंग में नहीं उतार सकता।

वर्तमान में भारत की स्थिति न केवल मजबूत है बल्कि उसके पक्ष में विश्व के ज्यादातर देश खडे हैं जो बाह्य और आन्तरिक रूप से सहयोग करने का दम भर रहे हैं। आज समूचा देश एक है। सेना का आत्मविश्वास चरम सीमा पर है।

ऐसे में चीन और अमेरिका के बीच चल रहे शह-मात के खेल सहित ब्रिटेन की कलाबाजियों से दूर रहकर केवल और केवल राष्ट्र गौरव को विश्व के सर्वोच्च सिंहासन पर पुनः स्थापित करन हेतु उपलब्ध हुए स्वर्णिम काल का सुखद परिणाम प्राप्त करना ही चाहिए। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ

सीजफायर : भारत की कूटनीतिक और राजनयिक जीत

संदीप सृजन

पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हुए आतंकी हमले में 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक की जान चली गई। इसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया। इस हमले के जवाब में भारत ने 7 मई 2025 को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया, जिसके तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर सटीक हवाई हमले किए गए।

इस ऑपरेशन ने पाकिस्तान को हिलाकर रख दिया, इसके बाद भारत की कूटनीतिक और राजनयिक पहल ने पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया। इसी कारण सीजफायर स्थिति बन गई और ऑपरेशन सिंदूर को स्थगित करने का निर्णय भी लिया गया। जिसे पूरा विश्व भारत की बड़ी राजनयिक जीत के रूप में देखा जा रहा है।

पहलगाम आतंकी हमले में आतंकियों ने तीर्थयात्रियों और स्थानीय नागरिकों को निशाना बनाया, जिसमें 26 लोग मारे गए। इस हमले की जिम्मेदारी जैश-ए-मोहम्मदऔर लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकी संगठनों पर डाली गई, जिन्हें पाकिस्तान से समर्थन मिल रहा था। इस घटना ने पूरे भारत में आक्रोश की लहर पैदा कर दी।

विशेष रूप से, हमले में कई नवविवाहित जोड़ों के पतियों की हत्या ने भावनात्मक रूप से देश को झकझोर दिया। एक ऐसी तस्वीर, जिसमें एक नवविवाहिता अपने पति की लाश के पास बैठी थी, उसके माथे का सिंदूर मिट चुका था और हाथों में मेहंदी के साथ खून के छींटे थे, ने पूरे देश को भावुक कर दिया।

इस हमले के बाद भारत सरकार ने कड़ा रुख अपनाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट किया कि इस हमले के जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। रक्षा मंत्रालय और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने तत्काल कार्रवाई की योजना बनानी शुरू की। भारत ने इस हमले को न केवल अपनी संप्रभुता पर हमला माना, बल्कि इसे मानवीय मूल्यों के खिलाफ एक कायराना कृत्य के रूप में देखा।

07 मई 2025 की मध्यरात्रि को भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया, जिसका नाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुझाया था। इस ऑपरेशन का नाम इसलिए चुना गया क्योंकि पहलगाम हमले में आतंकियों ने कई महिलाओं को विधवा किया था, और सिंदूर भारतीय संस्कृति में सुहाग का प्रतीक है। यह ऑपरेशन भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना के संयुक्त प्रयासों का परिणाम था, जिसमें पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया।

ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने सटीक और नियंत्रित हमले किये। भारतीय वायुसेना ने सुखोई-30, राफेल फाइटर जेट्स और ब्रह्मोस तथा स्कैल्प मिसाइलों का उपयोग कर बहावलपुर, कोटली, मुजफ्फराबाद, मुरीदके और अन्य स्थानों पर आतंकी ठिकानों को नष्ट किया। इन हमलों में जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन के ठिकाने शामिल थे। भारत ने अपनी कार्रवाई को गैर-उत्तेजक रखा और किसी भी पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान को निशाना नहीं बनाया। यह सुनिश्चित किया गया कि हमले केवल आतंकी ढांचों तक सीमित रहें। ऑपरेशन केवल 23 मिनट में पूरा हुआ, जो भारतीय सेना की तकनीकी क्षमता और रणनीतिक योजना को दर्शाता है।

रक्षा मंत्रालय ने इसे "केंद्रित, नपी-तुली और गैर-बढ़ावा देने वाली" कार्रवाई बताया। हमले में जैश-ए-मोहम्मद का बहावलपुर स्थित मरकज सुभान अल्लाह, लश्कर-ए-तैयबा का मुरीद के स्थित मरकज तैयबा और अन्य ठिकाने नष्ट किए गए।

ये ठिकाने 2001 के संसद हमले, 2008 के मुंबई हमले और 2019 के पुलवामा हमले जैसे आतंकी कृत्यों से जुड़े थे। अनुमानित 80-100 आतंकी इसमें मारे गए, जिसमें जैश और लश्कर के कई वरिष्ठ कमांडर शामिल थे। जिससे पूरे पाकिस्तान में हड़कंप मच गया और पूरे देश में हाई-अलर्ट जारी किया गया। पाकिस्तानी सेना और सरकार में बौखलाहट देखी गई।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू की, जिसके परिणामस्वरूप जम्मू-कश्मीर के पुंछ में 10 नागरिकों की मौत हो गई और 33 लोग घायल हुए। इसके अलावा, पाकिस्तान ने भारत के कई शहरों, जैसे श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, और चंडीगढ़ में ड्रोन और मिसाइल हमलों की कोशिश की, लेकिन भारत के S-400 एयर डिफेंस सिस्टम ने इन हमलों को नाकाम कर दिया।

पाकिस्तान ने प्रचार युद्ध भी शुरू किया, जिसमें झूठे दावे किए गए, जैसे श्रीनगर एयरबेस पर हमला और भारतीय सैनिकों को बंदी बनाना। हालांकि, ये दावे बाद में झूठे साबित हुए। पाकिस्तानी सेना और ISI ने सोशल मीडिया के जरिए भ्रामक वीडियो और तस्वीरें फैलाईं, लेकिन भारत ने इनका तथ्य-जांच के साथ खंडन किया।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने तुरंत कूटनीतिक मोर्चे पर काम शुरू किया। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने 13 देशों के राजदूतों को ब्रीफिंग दी, जिसमें उन्होंने ऑपरेशन की आवश्यकता और सटीकता को स्पष्ट किया। भारत ने यह सुनिश्चित किया कि वैश्विक समुदाय को यह संदेश जाए कि यह कार्रवाई आतंकवाद के खिलाफ थी, न कि पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध की शुरुआत।

NSA अजीत डोभाल ने अमेरिका, रूस और अन्य प्रमुख देशों को स्पष्ट किया कि हमले केवल आतंकी ठिकानों पर किए गए। भारत ने अपनी प्रेस ब्रीफिंग में संयमित और तथ्य-आधारित भाषा का उपयोग किया। कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह जैसी महिला अधिकारियों द्वारा ब्रीफिंग देना भारत की संवेदनशीलता और समावेशिता का प्रतीक था।

पहलगाम हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि को रद्द कर दिया, जिसने पाकिस्तान पर आर्थिक और कूटनीतिक दबाव बढ़ाया। भारत ने देशभर में 244 शहरों में सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल आयोजित की, जिसने उसकी रक्षा तैयारियों को प्रदर्शित किया। कई देशों, विशेष रूप से अमेरिका और ब्रिटेन, ने भारत की कार्रवाई को आतंकवाद के खिलाफ उचित कदम माना। चीन ने पाकिस्तान का समर्थन किया, लेकिन भारत की कूटनीतिक सक्रियता ने चीन को खुलकर सामने आने से रोका। तुर्की ने पाकिस्तान को नौसैनिक समर्थन देने की कोशिश की, लेकिन भारत की शक्तिशाली नौसेना के सामने यह प्रभावहीन रहा।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव के बीच, सीजफायर की पहल पाकिस्तान की ओर से की गई। 10 मई 2025 को, दोनों देशों के बीच नियंत्रण रेखा पर गोलीबारी रोकने के लिए एक समझौता हुआ। जिसे भारत ने इसे अपनी शर्तों पर स्वीकार किया।

अमेरिका ने इस प्रक्रिया में मध्यस्थ की भूमिका निभाई। विदेश मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, सीजफायर के लिए कोई पूर्व या पश्चात शर्त नहीं रखी गई थी। भारत ने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में होने वाला कोई भी आतंकी हमला युद्ध का कृत्य माना जाएगा।

इसके साथ ही, भारत ने सिंधु जल संधि को अस्थायी रूप से निलंबित रखा है। भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर को स्थगित करने का निर्णय लिया गया, जिसे कई विशेषज्ञों ने भारत की राजनयिक परिपक्वता और रणनीतिक संयम का उदाहरण माना। संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक शक्तियों ने दोनों देशों से संयम बरतने की अपील की।

भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी कार्रवाई को आतंकवाद के खिलाफ न्यायोचित ठहराया, जिससे पाकिस्तान अलग-थलग पड़ गया। भारत ने यह स्पष्ट किया कि ऑपरेशन का स्थगन स्थायी नहीं है और यदि आतंकी गतिविधियां दोबारा शुरू हुईं, तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस निर्णय ने भारत की छवि को एक जिम्मेदार और शांति-प्रिय राष्ट्र के रूप में मजबूत किया। ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद के घटनाक्रम ने भारत की कूटनीतिक और राजनयिक क्षमता को विश्व मंच पर प्रदर्शित किया।

आतंकवाद के खिलाफ मजबूत संदेश देते हुए भारत ने स्पष्ट किया कि वह आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाएगा। भारत की इस सक्रिय कूटनीति ने उसे अंतरराष्ट्रीय समुदाय का समर्थन दिलाया, जबकि पाकिस्तान को झूठे प्रचार के लिए आलोचना झेलनी पड़ी। भारत ने सैन्य ताकत का प्रदर्शन किया, लेकिन साथ ही कूटनीतिक संयम दिखाकर युद्ध की संभावना को टाला। ऑपरेशन सिंदूर और सिंधु जल संधि के रद्द होने से पाकिस्तान आर्थिक और कूटनीतिक रूप से कमजोर हुआ।

ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद भारत-पाकिस्तान सीजफायर भारत की रणनीतिक, सैन्य और कूटनीतिक शक्ति का प्रतीक है। पहलगाम हमले का जवाब देने के लिए शुरू किया गया यह ऑपरेशन न केवल आतंकवाद के खिलाफ भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, बल्कि वैश्विक मंच पर उसकी राजनयिक परिपक्वता को भी उजागर करता है।

सीजफायर और ऑपरेशन के स्थगन ने भारत को एक जिम्मेदार और शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित किया, जो न केवल अपनी सुरक्षा के लिए कठोर कदम उठा सकता है, बल्कि शांति और स्थिरता के लिए संयम भी बरत सकता है। यह घटनाक्रम भारत-पाकिस्तान संबंधों में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है, बशर्ते पाकिस्तान आतंकवाद को समर्थन

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in **ई-मेल**: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

पति से हुई अनबन तो दोस्तों ने रची शर्मनाक साजिश, समझौते का झांसा देकर महिला से किया दुष्कर्म

बरेली , एजेंसी। बरेली के नवाबगंज क्षेत्र में पति से चल रही अनबन का फायदा उठाकर दोस्तों ने समझौता कराने का झांसा देकर महिला से दुष्कर्म किया। महिला के विरोध करने पर उसका अश्लील वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी गई। इससे परेशान महिला ने थाना नवाबगंज में तहरीर दी है। थाना क्षेत्र के एक गांव में महिला की शादी के बाद अपने पति से अनबन रहने लगी। इसी मामले को लेकर महिला ने अपने पति के खिलाफ दहेज मांगने व प्रताड़ित करने की रिपोर्ट दर्ज करा दी। महिला के पति के दो दोस्त निवासी बिथरी चैनपुर व भुता थाना क्षेत्र ने महिला के पास आकर कहा कि वह उसका और पति के बीच समझौता करा देंगे।

पिछले साल आठ नवंबर को दोनों दोस्तों ने महिला को बहाने से बरेली के एक होटल में ले जाकर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। आरोपियों ने उसका भी वीडियो बनाया, जिसे वायरल करने की धमकी दी। महिला की तहरीर पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

बहाने से घर में बुलाकर युवती से किया दुष्कर्मः भुता थाना क्षेत्र के एक गांव में सरकारी नल पर कपड़े धुल रही युवती को बहाने से घर में बुलाकर परिचित युवक ने दुष्कर्म किया। युवती के पिता ने मामला दर्ज कराया है। पीड़िता के पिता ने बताया कि उनकी 18 वर्षीय बेटी दोपहर में गांव के सरकारी नल पर कपड़े धुल रही थी। उसी समय परिचित युवक अमित बेटी को बहाने से घर में बुलाकर उसको कोई नशीला पदार्थ सुंघा दिया। बेहोश होने पर बेटी के साथ दुष्कर्म किया। काफी देर ढूंढने पर जब वह नहीं मिली तो संबंधित आरोपी के घर का दरवाजा तोड़कर बेटी को वहां से खोजा। बाद में आरोपी के परिजन समझौते का दबाव बनाने लगे। समझौता न करने पर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। पुलिस मामले की जांच व आरोपी की तलाश कर रही है। युवती को मेडिकल के लिए अस्पताल भेजा गया है।

शिक्षक करता था छेड़छाड़, शिकायत की तो छात्रा का गला दबाया, पीड़िता की गई आवाज-याददाश्त

अमरोहा, एजेंसी। अमरोहा के डिडौली थाना क्षेत्र के एक गांव में इंटर कॉलेज में शिक्षक के उत्पीड़न से आहत 10वीं की छात्रा आवाज और याददाश्त खो बैठी। कई दिन तक मुरादाबाद में उपचार के दौरान छात्रा को होश आया तो उसने आपबीती सुनाई। पुलिस ने मामले में आरोपी शिक्षक के खिलाफ छेड़खानी, हत्या की कोशिश और एससी-एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। कॉलेज प्रबंधन ने भी आरोपी शिक्षक को निष्कासित कर दिया। गांव निवासी किसान की कक्षा दस में पढ़ने वाली 15 वर्षीय बेटी को करीब दो महीने से स्कूल में पढ़ाने वाला संविदा शिक्षक विवेक चीमा परेशान कर रहा था। वह अन्य छात्राओं के साथ छेड़खानी करता है। पीड़िता और अन्य दो छात्राओं ने शिक्षक की शिकायत कक्षा अध्यापिका से की। कक्षा अध्यापिका ने छात्राओं को साथ ले जाकर प्रधानाचार्य को पूरे मामले के बारे में बताया। लिहाजा प्रधानाचार्य ने आरोपी शिक्षक विवेक चीमा को फटकारा और दंडित किया। जिससे नाराज होकर 19 अप्रैल को आरोपी शिक्षक ने धोखे से छात्रा को स्कूल के पीछे बुलाकर छेड़खानी की और जान से मारने की नीयत से गला दबा दिया। जिससे छात्रा की आवाज चली गई। छुट्टी के बाद छात्रा बदहवास अवस्था में घर पहुंची तो वह कुछ बोल नहीं पा रही थी।

बच्चे हो रहे बीमार, अस्पताल में नहीं मिल रहा उपचार

मैनपुरी , एजेंसी। गर्मी के बीच जिले में बाल मरीजों की संख्या बढ़ने लगी। तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण बच्चे बुखार के साथ डायरिया और पेट दर्द की दिक्कतों से जूझ रहे हैं। जिले के सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की व्यवस्था न होने के कारण एक महीने से अधिक उम्र के बच्चों को प्राथमिक उपचार के साथ ही रेफर किया जा रहा है। गर्मी के बीच जिले में मरीजों की संख्या बढ़ी है। जिला अस्पताल की इमरजेंसी में बेड फुल हैं। अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों में बच्चों की संख्या अधिक रही।

गोरखपुर चिड़ियाघरः शेर पटौदी भी अब बीमार...कानपुर चिड़ियाघर में होगा इलाज

मरियम की मौत के बाद से है गुमसुम

गोरखपुर, एजेंसी। गोरखपुर चिड़ियाघर में करीब एक माह से बीमार बब्बर शेर पटौदी को शनिवार की रात कानपुर चिड़ियाघर भेज दिया गया। वहीं, पर उसका इलाज होगा। प्रदेश के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना से निर्देश मिलने के बाद इस शेर को कानपुर भेजने का फैसला हुआ।

बब्बर शेर की औसत उम्र 15 से 16 वर्ष होती है। पटौदी करीब 15 वर्ष का हो गया है। ऐसे में उम्र के साथ उसकी खुराक भी कम हो गई है। उसका महीने भर से इलाज चल रहा है। इंडियन वेटनेरी रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईवीआरआई) बरेली की टीम ने भी इसका इलाज किया।

शुक्रवार को वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना ने चिड़ियाघर के निरीक्षण के दौरान पटौदी को भी देखा। इसके बाद बेहतर इलाज के लिए इसे कानपुर चिड़ियाघर भेजने का निर्णय हुआ। शनिवार रात में उसे कानपुर भेज दिया गया।

पटौदी काफी कमजोर हो गया है, जिस वजह से उसे बिना हड्डी वाला मीट ही दिया जा रहा है। आमतौर पर बब्बर शेर को गर्मी में 10 से 12 किलो मीट दिया जाता है, लेकिन पटौदी केवल चार से पांच किलो मीट ही खा रहा है।

शेरनी मरियम की मौत के बाद रहता है गुमसुम

चिड़ियाघर में पिछले साल शेरनी मरियम की मौत हो गई थी। उसके बाद से ही बब्बर शेर पटौदी काफी गुमसुम रहता है। साथी के जाने के बाद वह ज्यादातर समय बाड़े के कोने में पड़े रहता है। बता दें कि चिड़ियाघर में फरवरी 2021 में इटावा लायन सफारी से बब्बर शेर पटौदी और शेरनी मरियम को लाया गया था।

पटौदी को गुजरात के शक्करबाग से इटावा लाया गया था। इसे पहले जंगल से पकड़ा गया था। इटावा सफारी में दोनों में

नजदीकियां भी बढ़ गई थीं। वहीं इसकी जोड़ी मरियम के साथ बनाई गई थी। गोरखपुर आने के बाद दोनों एक-दूसरे को देखते रहते थे।

पटौदी की उम्र करीब 15 वर्ष है। मरियम (17) इससे बड़ी थी। वह प्रदेश की सबसे उम्रदराज शेरनी थी। उम्र ज्यादा होने पर उसकी तबीयत खराब रहने लगी और दो अप्रैल 2024 को उसकी मौत हो गई।

वेबसाइट को आधे घंटे तक किया हैक, विवि प्रशासन ने लगाई संचालन पर रोक

अलीगढ़ , एजेंसी। राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय (आरएमपीएसयू) की वेबसाइट को हैकरों ने आधे घंटे तक हैक कर ली। इसकी जानकारी मिलने पर विवि प्रशासन हरकत में आया। विवि प्रशासन ने 07.45 बजे बाद वेबसाइट के संचालन पर रोक लगा दी है।

10 मई रात 7~15 बजे विश्वविद्यालय की वेबसाइट को हैकरों ने हैक कर लिया। वेबसाइट के होम पेज पर राज्यपाल, मुख्यमंत्री के नीचे जहां कुलपति की तस्वीर और नाम होता है, उस जगह पर हैक्ड बाई जेड बीएल 4सीएक्स-एच4टी टीम लिखा था। विवि के परीक्षा नियंत्रक अजय कृष्ण यादव ने बताया कि जैसे ही उन्हें वेबसाइट हैक होने की जानकारी मिली, 7~45 बजे वेबसाइट का संचालन बंद करा दिया गया। उन्होंने कहा कि वेबसाइट हैक होने से विद्यार्थियों का डेटा चोरी हो सकता था। परीक्षा परिणाम काफी सुरक्षित है। हैक के मामले में जांच की जाएगी। एबीवीपी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अंकुर शर्मा ने बताया कि वेबसाइट पर लाखों विद्यार्थियों का डेटा है। परीक्षा परिणाम जानने के लिए उन्होंने वेबसाइट देखी, तो पता चला कि उसे हैकरों ने हैक कर रखा है। इसलिए परीक्षा परिणाम नहीं जान सके। वेबसाइट हैक करने की जानकारी विश्वविद्यालय के अधिकारियों को दी गई।

हर अंक के नाम पर मांगे जा रहे 200-200 रुपयेः पिछले कुछ दिनों से अनजान मोबाइल नंबर से फेल विद्यार्थियों के पास संदेश आ रहा था।

इंस्पेक्टर से ठगीः नौकरी और प्लॉट के नाम पर लिए थे आठ लाख, धमकाया- अभी जानते नहीं हो असली पावर दिखलाऊंगा

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में कोर्ट से दोषमुक्त कराने के लिए जज के नाम पर लाखों की ठगी करने वाले शातिर ने अब खुद को मुख्यमंत्री का ओएसडी बता प्रयागराज में तैनात इंस्पेक्टर से चार लाख रुपये ठग लिए हैं। यह रुपये उसने इंस्पेक्टर के भतीजे को नौकरी और प्लाट दिलाने का झांसा देकर हासिल किए। जब दबाव बनाया तो चार लाख वापस किए, जबकि बाकी राशि देने से इन्कार कर दिया। कोहना पुलिस ने आरोपी दंपती के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

कोहना के विष्णु कीर्ति अपार्टमेंट निवासी अनुपम सिंह ने बताया कि उनके पति अरुण कुमार सिंह प्रयागराज के थाना एयरपोर्ट के प्रभारी निरीक्षक हैं। वह 18 जून 2023 से 21 अक्तूबर 2023 तक कोहना थाने के प्रभारी निरीक्षक थे। तैनाती के दौरान पति की मुलाकात केडीए कालोनी रामलीला मैदान निवासी शब्बीर अहमद से हुई। उसने खुद को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ओएसडी बताते हुए कई राजनेताओं, न्यायिक और प्रशासनिक अधिकारियों से संपर्क होने की बात कही।

उसने कई लोगों को नौकरी दिलवाने, ट्रांसफर पोस्टिंग कराने और लखनऊ व कानपुर रोड पर कई बीघे में प्लॉटिंग करने की बात कही। अरुण ने झांसे में आकर एक अक्तूबर 2023 को प्लॉट खरीदने और भतीजे को हाईकोर्ट में नौकरी दिलाने के लिए शब्बीर व उसकी पत्नी को आठ लाख रुपये दे दिए। निर्धारित समय पर प्लाट की रजिस्ट्री और भतीजे को नौकरी न मिलने पर उन्होंने रुपयों की मांग की, तो दंपती ने टालमटोल की।

आरोपी शब्बीर अहमद और उसकी पत्नी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्जः परिचितों से जोर लगवाने पर दंपती ने 10 नवंबर 2023 को चार लाख वापस कर दिए। शेष राशि देने से इन्कार कर दिया। दोबारा रुपये मांगने पर धमकी दी। कोहना इंस्पेक्टर अवधेश कुमार ने बताया कि डीसीपी सेंट्रल के निर्देश पर आरोपी शब्बीर अहमद और उसकी पत्नी के विरुद्ध रंगदारी, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात, धमकाने, जानबूझकर अपमानित करने की धारा में रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। एक टीम केडीए कॉलोनी गई थी, लेकिन वहां पर कोई नहीं मिला।

जज के नाम पर ठगी में जेल जा चुका शब्बीरः शब्बीर अहमद ने डेढ़ साल पहले सावित्री नगर निवासी वसीम के बेटे को न्यायालय द्वारा मुकदमे से दोषमुक्त कराने के लिए जज के नाम पर चार लाख रुपये की मांग की थी।

कश्मीर-पंजाब व शिमला की बुकिंग बंद, ट्रकों के थमे पहिये, नहीं आ पा रहें फल-मेवे; 10 करोड़ का नुकसान

लखनऊ, एजेंसी। सीमा पर तनातनी से ट्रांसपोर्ट का कारोबार प्रभावित हुआ है। ट्रांसपोर्टनगर से जम्मू कश्मीर, पंजाब, शिमला रूट पर ट्रकों का आवागमन 15 दिनों से पूरी तरह से ठप है। इससे 10 करोड़ रुपये के कारोबार का नुकसान हुआ है।ट्रांसपोर्टरों ने कश्मीर, पंजाब व शिमला की ओर जाने वाले माल की बुकिंग बंद कर दी है। ट्रांसपोर्टनगर में 250 ट्रक खड़े कर चालक घर चले गए हैं। ट्रांसपोर्टर आसिफ ने बताया कि 15 दिनों से न तो लखनऊ से जम्मू कश्मीर, पंजाब, शिमला रूट का माल बुक करके लोडिंग की गई है और न ही इन राज्यों से आने वाले माल की अनलोडिंग की गई है।

दुबग्गा फल व सब्जी मंडी के आढ़ती नसीम ने बताया कि दशहरी आम तैयार होने के कगार पर है। एक जून से इसकी जम्मू कश्मीर व पंजाब सप्लाई की तैयारी है। इन राज्यों के आढ़ती बुकिंग करा चुके हैं। हालात पूरी तरह नहीं सुधरे तो नुकसान होगा।

फल-सब्जी की आपूर्ति ठपः लखनऊ ट्रक एंड ट्रांसपोर्ट वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष ज्ञान प्रकाश श्रीवास्तव ने बताया कि लखनऊ, फर्रुखाबाद, कन्नौज सहित आसपास से जम्मू कश्मीर व पंजाब को होने ने वाली फल व सब्जी की आपूर्ति ठप हो गई है। इस वक्त तरबूज, खरबूज व हरी सब्जी की मांग जोरों पर है। ऐसे में ट्रांसपोर्टरों के साथ किसान भी प्रभावित हुए हैं।

10 प्रतिशत बढ़ गया भाड़ाः दुबग्गा के ट्रांसपोर्टर सत्य शरण श्रीवास्तव ने बताया कि लखनऊ से 10 टन माल जम्मू भेजने पर औसतन 35 से 37 हजार रुपये तक का भाड़ा मिलता था। सीमा पर तनाव बढ़ने के बाद से भाड़े में 10 फीसदी की बढ़ोतरी हो गई है।

...तो 24 घंटे में पटरी पर होगा कारोबारः लखनऊ से जम्मू, श्रीनगर, पंजाब के होशियारपुर, पठानकोट, चंडीगढ़, पंचुकला, सोलन, शिमला के बीच ट्रांसपोर्ट कारोबार पटरी पर लौट आएगा। हालांकि, जो नुकसान हुआ उसकी भरपाई नहीं हो पाएगी। रविवार से ही इन शहरों के लिए माल की बुकिंग को खोल दिया जाएगा।

हाईकोर्ट की तल्ख टिप्पणीः जज का आचरण ऐसा हो कि न्यायिक प्रणाली पर आम आदमी का भरोसा कायम रहे

प्रयागराज , एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कौशाम्बी में तैनात रहे विशेष न्यायाधीश को दी गई अनिवार्य सेवानिवृत्ति के आदेश को रद्द करने से इन्कार कर दिया। कहा कि हमें यह मानने में हिचकिचाहट नहीं है कि सेवा अभिलेखों में मौजूद प्रतिकूल समाग्रियां ऐसी हैं कि उन्हें जज के रूप में बने रहने का कोई हक नहीं। एक जज का आचरण ऐसा होना चाहिए कि न्यायिक प्रणाली के प्रति आम आदमी का भरोसा कायम रह सके।

यह तल्ख टिप्पणी न्यायमूर्ति अश्विनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति डोनाडी रमेश की अदालत ने रमेश कुमार यादव की याचिका खारिज करते हुए की है। पीसीएसजे रमेश कुमार यादव 2001 में सिविल जज (जूनियर डिवीजन) नियुक्त हुए। 2006 में सिविल जज (सीनियर डिवीजन) के रूप में पदोन्नत होने के बाद उन्हें उच्च न्यायिक सेवा में पदोन्नति देते हुए कौशाम्बी में विशेष न्यायाधीश (अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम) के पद पर तैनाती दी गई थी। उनकी सेवानिवृत्ति फरवरी 2026 में पूरी होती, लेकिन 2021 में उन्हें प्रशासनिक जज की ओर से दी गई प्रतिकूल प्रविष्टि के आधार पर अनिवार्य सेवानिवृत्ति दे दी गई।

इसके खिलाफ उन्होंने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी। कहा कि प्रशासनिक जज की प्रतिकूल टिप्पणी अंतिम रूप ले चुकी है। वर्ष 2008-09 में प्रशासनिक जज की ओर से दी गई प्रतिकूल प्रविष्टि की सत्यता पर मौजूदा याचिका में टिप्पणी नहीं की जा सकती। खासकर तब जब प्रतिकूल टिप्पणी को चुनौती नहीं दी गई है।

अगले साल से लिवर ट्रांसप्लांट सेंटर हो सकता है शुरू, जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में की जा रही है कवायद

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज ने कार्निया, गुर्दा, हृदय के बाद अब लिवर ट्रांसप्लांट की भी तैयारी शुरू कर दी है। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय काला ने बताया कि लिवर ट्रांसप्लांट सेंटर शुरू करने की भी तैयारी है। अस्पतालों में कुछ संसाधन हैं, कुछ का इंतजाम करने में एक साल लग जाएगा। अगले साल से लिवर ट्रांसप्लांट सेंटर भी शुरू करने की योजना है। इस तरह जीएसवीएम प्रदेश का पहला मेडिकल होगा, जहां चार अंगों का प्रत्यारोपण किया जा सकेगा।

डॉ. काला ने बताया कि सबसे पहले शुरुआत कार्निया प्रत्यारोपण के क्षेत्र में की गई थी। इस समय अस्पताल में कार्निया बैंक भी संचालित किया जा रहा है। साथ ही अब गुर्दा ट्रांसप्लांट सेंटर की अनुमति मिल गई है। जल्दी ही गुर्दा ट्रांसप्लांट मल्टी सुपर स्पेशियलिटी एंड पीजीआई के गुर्दा रोग विभाग में शुरू कर दिया जाएगा। एलपीएस कार्डियोलॉजी इंस्टीट्यूट में हार्ट ट्रांसप्लांट सेंटर की तैयारी पूरी है। उपकरण

उपलब्ध हैं। सेंटर के लिए लाइसेंस मिलते ही हृदय प्रत्यारोपण होने लगेगा।

लिवर ट्रांसप्लांट सेंटर अगले साल खुलेगाः उन्होंने बताया कि ब्रेन स्टेम डेथ कमेटी का गठन हो गया है। ब्रेड डेड रोगियों के जो अंग दान में मिलेंगे, उनमें लिवर भी होगा। इससे लिवर ट्रांसप्लांट सेंटर भी खोलने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए हेपिटोलॉजिस्ट विशेषज्ञ की नियुक्ति हो गई है। इसके साथ ही सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में गैस्ट्रो सर्जरी विभाग भी है।

कुछ संसाधन पहले से उपलब्ध हैं, जिनकी जरूरत है, उनका भी इंतजाम किया जा रहा है। गुर्दा और हृदय प्रत्यारोपण सेंटर इसी साल शुरू हो जाएंगे। लिवर ट्रांसप्लांट सेंटर अगले साल खुलेगा।

मदर्स डेः सलाम इन मांओं को, जिनके बेटे सरहद पर तैनात हैं... छाती चौड़ी कर देगा इनका अनुभव; होगा गर्व

वाराणसी , एजेंसी। वीर सैनिकों की मांओं का बुलंद स्वर में कहना था कि ऊपर वाले से यही प्रार्थना रहती है कि बेटा हमारा सुरक्षित रहे। मगर, देश की सुरक्षा में आंच न आने पाए। देश सबसे पहले है और घर-परिवार उसके बाद...।

डर तो लगता ही है, गर्व भी होता हैः गाजीपुर के पटकनिया गांव के मूल निवासी और पहड़िया में रहने वाले राघवेंद्र प्रताप सिंह 52 बटालियन सीआरपीएफ में जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में तैनात हैं। उनकी मां रामसखी रघुवंशी ने कहा कि हमारा बेटा अपने मामा कैप्टन योगिंद्र नाथ सिंह और चाचा हवलदार श्रीकांत सिंह से प्रेरित होकर सीआरपीएफ में भर्ती हुआ था।

भारत और पाकिस्तान के बीच जो स्थिति रहती है, उसके चलते अपने बेटे को लेकर डर तो लगता ही है। मगर, उससे ज्यादा अपने बेटे पर गर्व भी होता है। मेरा बेटा हमेशा कहता है कि इस देश और मिट्टी की रक्षा का संकल्प हमने लिया है। तुम चिंता मत करना मां...।

एनसीसी के समय सेना में जाने का बेटे ने बना लिया था मनः रोहनिया के दरेखू निवासी पवन सिंह जम्मू-कश्मीर के अखनूर सेक्टर में सेना में तैनात हैं।

उनकी मां विमला देवी ने कहा कि हमारा बेटा एनसीसी का बेस्ट कैडेट था और उसी समय वह सेना में जाने का मन बना लिया था। हमें गर्व है कि हमारे कलेजे का टुकड़ा भारतीय फौज में है और मैं उसकी मां हूं। पवन से गुरुवार की रात बात हुई थी। उसने कहा था कि मां हमारी चिंता मत करना, मैं अपने साथियों के साथ सुरक्षित हूं।

गर्व है कि हमारा बेटा देश की हिफाजत कर रहा हैः चौबेपुर के अजांव गांव की रहने वाली मीरा उपाध्याय ने बताया कि उनके तीन बेटे हैं। बड़ा बेटा सचिन उपाध्याय एक वर्ष पूर्व जम्मू-कश्मीर से रिटायर्ड हो गया। बीच वाला बेटा आशीष उपाध्याय जम्मू-कश्मीर में सेना में तैनात है। सबसे छोटा बेटा बंगलूरू में दक्षिण भारत की सीमा पर तैनात हैं। पति मंशा उपाध्याय भी सूबेदार पद से रिटायर्ड हैं। हमें गर्व है कि हमारा बेटा देश की हिफाजत कर रहा है।

बेटे के फोन का इंतजार कर रहे हैंः मिर्जापुर के कटका के मूल निवासी और फुलवरिया क्षेत्र की मानस नगर कॉलोनी में रहने वाले शैलेश पाल इस समय जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर में तैनात है। उनकी मां केवला देवी ने बताया कि देश की सीमा पर तनाव की स्थिति को लेकर हमारा फौजी बेटा फोन पर बता रहा था कि क्या चल रहा था। उसने समझाया भी था कि मां आप लोग परेशान मत होना और हमारी चिंता मत करना। हम जब फ्री रहेंगे तो फोन कर बात जरूर करेंगे। इसलिए बेटे के फोन का इंतजार कर रहे हैं।

लद्दाख में भारत-चीन सीमा पर डटा है बेटाः राजातालाब के नरोत्तमपुर गांव निवासी मनीष कुमार सिंह इन दिनों लद्दाख में भारत-चीन की सीमा पर डटे हुए हैं। मनीष की माता रामा देवी ने कहा कि वर्ष 2007 में जुलाई में हमारा बेटा आईटीबीपी में भर्ती हुआ था। दो साल तक अफगानिस्तान में भारतीय दूतावास की सुरक्षा में वह रहा। इन दिनों मनीष भारत-चीन की सीमा पर तैनात है। मनीष पढ़ाई के समय से ही देश सेवा की बात करता था। मां की ममता अपने बच्चों के लिए भला कहां कभी कम होती है।

परिवार की दूसरी पीढ़ी भी देश सेवा में हैः चिरईगांव के जाल्हूपुर मधुकरपुर गांव के रहने वाले प्रकाश यादव पठानकोट में भारतीय सेना में तैनात हैं। उनकी मां गीता यादव ने कहा कि हमारे पति रामानंद यादव फौज से सेवानिवृत्त हैं।

सीजफायर तोड़ने पर पाकिस्तान पर बरसे शिखर धवन, लिखा- घटिया देश ने...

नई दिल्ली, एजेंसी। सीजफायर होने के चार घंटे बाद ही पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों पर फिर उतारू हो गया और भारत के इलाकों में फिर से बमबारी चालू कर दी। भारतीय फौजें इसका जोरदार जवाब दे रही हैं। वहीं, पाकिस्तान की इस हरकत से भारतीय क्रिकेटर भी बेहद गुस्से में नजर आ रहे हैं। पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन ने एक्स पर पोस्ट में लिखा है- घटिया देश ने फिर अपना घटियापन पूरी दुनिया को दिखा दिया। बीते दिन भी धवन ने इस स्थिति पर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने एक्स पर लिखा था- हमारी सीमाओं की इतनी मजबूती से रक्षा करने और जम्मू पर ड्रोन हमले को रोकने के लिए हमारे बहादुर जवानों को सम्मान। भारत मजबूती से खड़ा है। जय हिंद ! सहवाग, जिन्हें मुल्तान के सुल्तान के नाम से जाना जाता है, ने भी अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक तीखा संदेश पोस्ट किया। उन्होंने हिंदी मुहावरे कुत्ते की दुम टेढ़ी की टेढ़ी ही रहती है. का इस्तेमाल करते हुए पाकिस्तान के बार-बार संघर्ष विराम तोड़ने की प्रवृत्ति पर कटाक्ष किया। यह मुहावरा उन लोगों या संस्थाओं के लिए प्रयोग किया जाता है जो बदलाव का विरोध करते हैं। सहवाग का यह तंज पाकिस्तान के संघर्ष विराम उल्लंघनों के इतिहास पर सीधा प्रहार माना जा रहा है। बता दें कि शनिवार शाम दोनों देशों ने औपचारिक रूप से संघर्ष विराम समझौते की घोषणा की थी। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने पुष्टि की कि दोनों पक्षों के सैन्य संचालन महानिदेशकों ने तत्काल प्रभाव से सभी शत्रुताएं—चाहे वह भूमि, वायु या समुद्र से हों—समाप्त करने पर सहमति जताई थी। लेकिन पाकिस्तान ने इस विराम को तोड़ दिया। वहीं, देर रात खबरें आई कि चीन ने पाकिस्तान की वकालत की है लेकिन इस संबंधी जब भारत के विदेशी मंत्रालय ने चीन में बात की तो उन्होंने इससे साफ इंकार कर दिया और कहा कि वह हर वक्त आतंकवाद का विरोध करते आ रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे।

बांग्लादेश क्रिकेट टीम यूएई दौरे के लिए तैयार, पाकिस्तान यात्रा पर अभी सस्पेंस बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने शनिवार को ऐलान किया कि उनकी पुरुष राष्ट्रीय टीम दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का दौरा करेगी। हालांकि, पाकिस्तान में प्रस्तावित पांच टी20 मैचों के दौरे को लेकर बोर्ड ने अभी कोई अंतिम फैसला नहीं लिया है। यूएई क्रिकेट बोर्ड ने पहले घोषणा की थी कि बांग्लादेश की टीम मई में शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में मेजबान यूएई के खिलाफ दो टी20 मैच खेलेगी। ये मुकाबले 17 और 19 मई को स्थानीय समयानुसार शाम 7ः00 बजे होंगे। इसके बाद बांग्लादेश को 25 मई से 3 जून तक पाकिस्तान में पांच टी20 मैच खेलने थे।

बीसीबी ने बताया कि भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर चल रहे तनाव के कारण, जिसके चलते इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) और पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) स्थगित हो चुके हैं, पाकिस्तान दौरे का फैसला टाल दिया गया है। शनिवार को शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में बीसीबी के निदेशकों की एक बैठक हुई, जिसमें भविष्य की रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। बीसीबी ने अपने बयान में कहा, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी प्रतिबद्धता और तैयारियों को जारी रखते हुए, बांग्लादेश की राष्ट्रीय टीम अगले सप्ताह यूएई में दो टी20 मैचों की सीरीज खेलेगी। पाकिस्तान दौरे के बारे में बीसीबी ने कहा, हम पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के साथ इस दौरे को लेकर लगातार संपर्क में हैं। खिलाड़ियों और सहायक स्टाफ की सुरक्षा हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है। पाकिस्तान की मौजूदा स्थिति को ध्यान में रखते हुए, दौरे से जुड़ा कोई भी फैसला सावधानीपूर्वक और बांग्लादेश क्रिकेट के हित में लिया जाएगा। बीसीबी ने स्पष्ट किया कि वह स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है और जल्द ही पाकिस्तान दौरे पर अंतिम निर्णय लेगा।

लारा ने कहा-

विराट टेस्ट से संन्यास न लें

• टेस्ट क्रिकेट को उनकी जरूरत आगे • 60 से ऊपर की औसत से रन बनाएंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिकेटर ब्रायन लारा ने भारतीय बल्लेबाजी के सुपरस्टार विराट कोहली से टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के कथित फैसले को वापस लेने की सार्वजनिक अपील की है। यह अपील ऐसे समय में आई है जब कोहली के टेस्ट क्रिकेट भविष्य को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

35 वर्षीय कोहली ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को सूचित किया है कि वह 20 जून से शुरू होने वाली इंग्लैंड के खिलाफ भारत की आगामी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेना चाहते हैं। हालांकि, बीसीसीआई ने अभी हार नहीं मानी है। बोर्ड के सूत्रों का कहना है कि वे कोहली को टेस्ट क्रिकेट में बने रहने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं, खासकर तब जब इंग्लैंड दौरे के साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का नया चक्र शुरू हो रहा है। लारा, जिन्हें क्रिकेट इतिहास के सबसे महान बल्लेबाजों में से एक माना जाता है, ने कोहली की टेस्ट क्रिकेट में उपलब्धियों और उनके प्रभाव की सराहना की। उन्होंने कहा कि विराट कोहली जैसे खिलाड़ी हर पीढ़ी में एक बार आते हैं। उनकी तकनीक, जुनून और खेल के प्रति समर्पण टेस्ट क्रिकेट को जीवंत बनाए रखते हैं। मैं उनसे अनुरोध करता हूं कि वे अपने फैसले पर पुनर्विचार करें। विश्व क्रिकेट को अभी उनकी जरूरत है। लारा ने यह भी कहा कि कोहली की मौजूदगी युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का काम करती है और भारत के डब्ल्यूटीसी अभियान के लिए उनकी भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है।

बीसीसीआई के सूत्रों के अनुसार, बोर्ड कोहली के साथ गहन चर्चा कर रहा है। वे चाहते हैं कि कोहली कम से कम इस डब्ल्यूटीसी चक्र तक टेस्ट क्रिकेट खेलना जारी रखें, जिसमें इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के बाद ऑस्ट्रेलिया का दौरा भी शामिल है। कोहली ने टेस्ट क्रिकेट में 8,848 रन बनाए हैं, जिसमें 29 शतक और 30 अर्धशतक शामिल हैं। उनका औसत 49.15 है, जो उनकी निरंतरता और उत्कृष्टता को दर्शाता है। हालांकि, कोहली ने पिछले कुछ समय से सीमित ओवरों के क्रिकेट पर अधिक ध्यान दिया है, और कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि वह अपने करियर के इस पड़ाव पर कार्यभार को कम करना चाहते हैं। दूसरी ओर, प्रशंसक और क्रिकेट विशेषज्ञ कोहली को टेस्ट क्रिकेट में और योगदान देते देखना चाहते हैं।

लारा की अपील और बीसीसीआई के प्रयासों के बीच, क्रिकेट जगत कोहली के अंतिम फैसले का इंतजार कर रहा है।

इंडिया वूमेन-श्रीलंका वूमेन

स्मृति मंधाना ने 92 गेंदों पर ठोका शतक, खेली 116 रन की पारी, भारत ने बनाए 342 रन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ओपनर बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ वूमेन्स ट्राई नेशनल सीरीज 2025 के फाइनल में कमाल की शतकीय पारी खेली। भारत ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए श्रीलंका के खिलाफ 50 ओवर में 7 विकेट पर 342 रन का विशाल स्कोर बनाया और विरोधी टीम को जीत के लिए 343 रन का टारगेट दिया। भारत की तरफ से हरलीन देओल, कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रोड्रिग्स इस मैच में अर्धशतक लगाने से चूक गईं। .स्मृति मंधाना ने श्रीलंका के खिलाफ फाइनल मुकाबले में गजब की पारी खेलते हुए 92 गेंदों पर शतक पूरा किया और इस मैच में उन्होंने 2 छक्के और 15 चौकों की मदद से 101 गेंदों पर 116 रन ठोक डाले। ये मंधाना के वनडे क्रिकेट करियर का 11वां शतक रहा। पहले विकेट के लिए मंधाना ने इस मैच में प्रतिका रावल के साथ मिलकर 70 रन की साझेदारी की जबकि दूसरे विकेट के लिए हरलीन देओल के साथ मिलकर 120 रन की शतकीय साझेदारी निभाई।

भारतीय महिला टीम ने बनाए 342 रन

भारतीय महिला टीम की बैटिंग फाइनल मैच में जबरदस्त रही और इस टीम ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 342 रन बनाए। भारत की तरफ से मंधाना की शतकीय पारी के अलावा हरलीन देओल ने 47 रन जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 30 गेंदों पर 41 रन तो वहीं जेमिमा रोड्रिग्स ने तेज गति से 29 गेंदों पर 4 चौकों की मदद से 44 रन बनाए। ये तीनों अपने अर्धशतक के करीब आकर आउट हो गईं। इसके अलावा निचले क्रम की बल्लेबाज अमनजीत कौर ने 12 गेंदों पर 18 रन तो वहीं दिप्ती शर्मा ने 14 गेंदों पर नाबाद 20 रन की पारी खेली।

विराट कोहली का संन्यास सही पर टाइमिंग गलतः सिद्धू

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट में एक बार फिर हलचल मच गई है। खबर है कि टेस्ट क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने इंग्लैंड के बहुप्रतीक्षित पांच टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का चौंकाने वाला फैसला किया है। इस खबर ने न केवल प्रशंसकों को स्तब्ध कर दिया है, बल्कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के शीर्ष अधिकारियों को भी चिंता में डाल दिया है। बीसीसीआई ने कोहली से इस फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है, क्योंकि यह सीरीज अगले आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की शुरुआत करेगी। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू ने कोहली के इस फैसले पर अपनी राय रखते हुए कहा कि हालांकि कोहली का युवाओं को मौका देने का इरादा नेक है, लेकिन इंग्लैंड दौरे से पहले इसकी टाइमिंग गलत है। सिद्धू ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो में कहा, विराट कोहली का संन्यास लेने का फैसला क्रिकेट जगत में तहलका मचा रहा है। उनका इरादा सही है, उनका मकसद नेक है कि 'पुरानी व्यवस्था को बदलकर नई पीढ़ी को मौका देना चाहिए।' लेकिन समय और अवसर उचित नहीं है, क्योंकि भारत का गौरव और प्रतिष्ठा दांव पर है।

सिद्धू ने आगे कहा, हम एक ऐसे दौरे पर जा रहे हैं, जो अन्य टेस्ट खेलने वाले देशों के लिए भी सबसे कठिन चुनौती है। मैं क्यों कहता हूं कि कोहली इंग्लैंड में हमारे 'चमकते हुए योद्धा' हो सकते हैं? क्योंकि उनके पास अनुभव है, खासकर रोहित शर्मा के संन्यास के बाद। आप इंग्लैंड में एक अनुभवहीन टीम नहीं भेज सकते।

गंभीर-अगरकर ने तय किया भारत का नया टेस्ट कप्तान !

नई दिल्ली, एजेंसी।टीम इंडिया को अगले महीने इंग्लैंड के दौरे पर जाना है. दोनों टीमों के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी. ये वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की पहली सीरीज भी होगी, जिसकी शुरुआत 20 जून से होनी है. इस सीरीज के साथ भारतीय क्रिकेट के नए दौर की भी शुरुआत होगी.

दरअसल, भारतीय दिग्गज रोहित शर्मा ने हाल ही में टेस्ट फॉर्मेट में संन्यास लिया है, जो टेस्ट टीम के कप्तान भी थे. ऐसे में इस दौरे पर भारतीय टीम एक नए कप्तान के साथ जाएगी. इस कप्तान का नाम तय हो गया है और बीसीसीआई जल्द ही इसका ऐलान भी करेगी. रोहित शर्मा के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरा काफी खराब रहा था और टीम इंडिया को हार का सामना भी करना पड़ा था. उसके बाद से ही माना जा रहा था कि रोहित को अब टेस्ट में जगह नहीं मिलेगी. इन सब खबरों के बीच

उन्होंने संन्यास का ऐलान करके सभी को चौंका दिया. इसके बाद नए कप्तान की रेस में कई स्टार खिलाड़ी शामिल हो गए, जिसमें सबसे बड़ा नाम जसप्रीत बुमराह का है. लेकिन वह इस रेस में पिछड़ गए हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, युवा स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल भारतीय टेस्ट टीम के नए कप्तान होंगे.

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 23 या 24 मई इस दौरे लिए टीम इंडिया का सेलेक्शन किया जाएगा. हालांकि, यह तय हो गया है कि गिल ही इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम के कप्तान होंगे. वहीं, बीसीसीआई प्रेस कॉन्फ्रेंस करके गिल को अगला कप्तान बनाने का ऐलान कर सकती है. इतना ही नहीं, रिपोर्ट्स के मुताबिक, शुभमन गिल ने भारतीय टेस्ट क्रिकेट के रोडमैप पर चर्चा करने के लिए हेड कोच गौतम गंभीर और चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर से मुलाकात भी की है.

रेड-बॉल क्रिकेट में पहली बार संभालेंगे कमान

ये पहला मौका होगा जब शुभमन गिल रेड–बॉल क्रिकेट में टीम इंडिया की कमान संभालेंगे. इससे पहले वह टी20 फॉर्मेट में टीम इंडिया की कप्तानी कर चुके हैं. पिछले साल जिम्बाब्वे दौरे पर वह टीम का कप्तान बनकर गए थे, जब 5 टी20 मैच खेले गए थे. इसके अलावा वह आईपीएल में गुजरात की टीम के कप्तान भी हैं. आईपीएल 2025 में उनकी कप्तानी में टीम का प्रदर्शन काफी शानदार रहा है, जिसके चलते उन्हें अब टेस्ट टीम की कमान मिलने जा रही है. हालांकि, बीसीसीआई का आखिरी फैसला क्या होगा, इसका पता 23 या 24 मई को चल जाएगा.

ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर का निधन...

टेस्ट में जड़ा था ऐतिहासिक तिहरा शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट से जुड़ी एक दुखद खबर सामने आई है. दिग्गज क्रिकेटर बॉब काउपर का मेलबर्न में निधन हो गया. काउपर 84 साल के थे और उनका निधन 11 मई (रविवार) को हुआ. क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने काउपर के निधन की पुष्टि की है. काउपर लंबे समय से कैंसर बीमारी से जूझ रहे थे.

काउपर के परिवार में उनकी पत्नी डेल और दो बेटियां (ओलिविया और सेरा) हैं. क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के चेयरमैन माइक बेयर्ड ने कहा, बॉब काउपर के निधन की खबर सुनकर हमें गहरा दुख हुआ है. वह ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में एक बेहद सम्मानित व्यक्ति थे. बॉब एक शानदार बल्लेबाज थे, जिन्हें मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (स्ब्ह्त) में उनके तिहरे शतक के साथ-साथ 1960 के दशक में ऑस्ट्रेलिया और विक्टोरिया (राज्य) टीमों में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए हमेशा याद किया जाएगा. बाएं हाथ के बल्लेबाज बॉब काउपर को उनके बेहतरीन स्ट्रोकप्ले और संयमित बल्लेबाजी करने के लिए जाना जाता था. काउपर ने अपनी सबसे यादगार पारी फरवरी 1966 में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर इंग्लैंड के खिलाफ खेली थी. तब उन्होंने लगभग 12 घंटे की मैराथन पारी में 589 गेंदों पर 307 रन बनाए थे. यह ऑस्ट्रेलियाई धरती पर किसी

बल्लेबाज का टेस्ट क्रिकेट में पहला तिहरा शतक था. साथ ही 20वीं सदी में ऑस्ट्रेलिया की धरती पर टेस्ट क्रिकेट में बनाया गया यह इकौलता तिहरा शतक भी रहा. देखा जाए तो ये बॉब काउपर का तीसरा टेस्ट शतक था. उन्होंने एक साल पहले कैरेबियाई धरती पर दो शतक बनाए थ

`. फिर तिहरे शतक के बाद उन्होंने दो और शतक बनाए. उन्होंने आश्चर्यजनक रूप से साल 1968 में संन्यास की घोषणा की, तब वो सिर्फ 28 वर्ष के थे. काउपर ने 1964 से 1968 के बीच ऑस्ट्रेलिया के लिए 27 टेस्ट मैच खेले, जिसमें उन्होंने 46.84 के एवरेज से 2061 रन बनाए. इस दौरान उनके बल्ले से 5 शतक और 10 अर्धशतक निकले.

घरेलू मैदान पर जमकर बनाते थे रन

घरेलू मैदान पर बेन काउपर का रिकॉर्ड और भी दमदार था, जहां उन्होंने 75.78 की औसत से टेस्ट क्रिकेट में 1061 रन बनाए थे. वह महान डॉन ब्रैडमैन के बाद घरेलू जमीन पर सबसे ज्यादा टेस्ट औसत वाले बल्लेबाज हैं. काउपर ने अपनी ऑफ स्पिन गेंदबाजी का भी जलवा दिखाया और टेस्ट में 36 विकेट झटके. काउपर ने 147 फर्स्ट क्लास मैचों में 10595 और 4 लिस्ट-ए मैचों में 77 रन बनाए.

पीएसएल 2025 की मेजबानी से किया इनकार

अमीरात क्रिकेट बोर्ड ने निभाई बीसीसीआई और जय शाह से दोस्ती

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य तनाव जारी रहने के बावजूद, क्रिकेट कूटनीति चुपके से अपनी भूमिका निभा रही है। खबर है कि अमीरात क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की उस अपील को ठुकरा दिया, जिसमें पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के बचे हुए मैचों को यूएई में आयोजित करने की मांग की गई थी।

माना जा रहा है कि यह फैसला भारतीय क्रिकेट प्रशासकों के इशारे पर लिया गया। एक क्रिकेट अधिकारी ने कहा, ÷जब सीमा पर हमारे जवान शहीद हो रहे हैं, तब हम चुप नहीं रह सकते। क्रिकबज ने पहले भी इस बात के संकेत दिए थे कि भारत की ओर से दबाव बनाया गया था, और अब ईसीबी का यह फैसला उसी दिशा में दिखाई देता है। पूर्व बीसीसीआई सचिव और वर्तमान आईसीसी चेयरमैन जय शाह की प्रतिष्ठा और यूएई के नेतृत्व व क्रिकेट बोर्ड के साथ उनके करीबी रिश्तों ने इस मामले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बीसीसीआई और ईसीबी के बीच संबंध हमेशा से सौहार्दपूर्ण रहे हैं,

खासकर तब से जब बीसीसीआई ने जय शाह के नेतृत्व में यूएई में डेढ़ आईपीएल सीजन और 2021 टी20 विश्व कप का आयोजन किया। ईसीबी के महासचिव मुबाशिर उस्मानी, जो मूल रूप से मुंबई के हैं उन्होंने भी इन रिश्तों को और मजबूत किया है। एक ईसीबी अधिकारी ने क्रिकबज को बताया, हम बीसीसीआई और जय भाई के आभारी हैं.